■ श्रावण शुक्ल - 7 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 9 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 31-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 गंभीर के पास नाराजगी जताने का कारण था : पार्थिव

6 एआई का विस्तार या नौकरी का संकुचन : बड़ी चुनौती

7 ताजमहल की खूबसूरती देख अवाक रह गईं अनन्या पांडे

फर्स्ट टेक

आईएनएस सतपुड़ा सिंगापुर पहुंचा

नयी दिल्ली, 30 जुलाई (भाषा) भारतीय नौसेना का जहाज 'सतपुड़ा' द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास में भाग लेने के लिए सिंगापुर पहुंच गया है। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। इस समुद्री अभ्यास का उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए साझा प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ाना है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा गया कि सिंगापुर-भारत समुद्री द्विपक्षीय अभ्यास (सिम्बेक्स-25) भारतीय नौसेना और सिंगापुर की नौसेना (आरएसएन) के बीच ''मजबूत और स्थायी'' समुद्री साझेदारी में एक और अध्याय जोड़ता है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह अभ्यास दोनों देशों के बीच गहरे नौसैनिक सहयोग का प्रतीक है।

हरियाणा से प्रमुख नक्सली गिरफ्तार : एनआईए

नयी दिल्ली, 30 जुलाई (भाषा) राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने हरियाणा से एक प्रमुख नक्सली को गिरफ्तार किया है, जो ''राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से शामिल था''। बुधवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। एजेंसी ने बताया कि मूल रूप से छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर जिले के निवासी और वर्तमान में हरियाणा के रोहतक जिले में रहने वाले प्रियांशु कश्यप को हरियाणा पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। एजेंसी ने बताया कि एनआईए की टीम ने आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन, सिम कार्ड, एक टैबलेट, दो मेमोरी कार्ड और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) (माओवादी) से संबंधित ऐसे दस्तावेज जब्त किए गए हैं जो ''अपराध सिद्ध'' करते हैं।

भारत, यूएई रक्षा संबंधों को बढ़ाने को लेकर सहमत

नयी दिल्ली, 30 जुलाई (भाषा) भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने बुधवार को यहां एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय रक्षा बैठक की, जिसमें दोनों पक्षों ने रक्षा संबंधों को और अधिक बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक इस बैठक की सह-अध्यक्षता रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और संयुक्त अरब अमीरात के रक्षा अवर सचिव लेफ्टिनेंट जनरल इब्राहिम नासिर एम अल अलावी ने की। लेफ्टिनेंट जनरल अलावी भारत की दो-दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आए यूएई के एक उच्च-स्तरीय रक्षा प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। इस बैठक में दोनों देशों ने अपने रक्षा संबंधों को व्यापार, निवेश और सामाजिक संबंधों जैसे क्षेत्रों की तरह मजबूत करने पर

ऑपरेशन सिंदूर पर संसद में चर्चा, राज्यसभा में विपक्ष पर बरसे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस जयशंकर

कांग्रेस ने दिया था पीओके, भाजपा वापस लाएगी : शाह

■ कोई हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता

■ आतंकवाद से मुक्त होगा जम्मू-कश्मीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली, 30 जुलाई (भाषा) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को राज्यसभा में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने कश्मीर का कुछ हिस्सा पाकिस्तान को दे दिया और भाजपा सरकार पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर) को वापस लाएगी। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि कोई हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता। उन्होंने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले के बाद ''भगवा आतंकवाद'' विमर्श बनाने के लिए भी कांग्रेस पर निशाना साधा।

शाह ने यह भी कहा कि कांग्रेस को आतंकवाद के बारे में भाजपा से सवाल करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस तुष्टीकरण की राजनीति करती रही है और सत्ता में रहते हुए उसने इस समस्या से

निपटने के लिए कभी कोई ठोस नीति नहीं अपनाई।

शाह 'ऑपरेशन सिंदूर' पर उच्च सदन में हुई विशेष चर्चा का जवाब दे रहे थे।

विपक्ष का चीन प्रेम 1960 के दशक से

गृह मंत्री ने चीन से संबंधित विदेश नीति को लेकर सवाल उठाने के लिए भी कांग्रेस पर हमला बोला और कहा कि विपक्षी दल का चीन प्रेम 1960 के दशक से चला आ रहा है। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस की प्राथमिकता देश की सुरक्षा नहीं है। उसका मकसद केवल वोट बैंक और तुष्टीकरण की राजनीति है... आतंकवाद ने भारत में जड़ें जमाईं, फैला और बढ़ा... इसका एकमात्र कारण कांग्रेस की तुष्टीकरण की राजनीति और कमजोर नीतियां हैं।''

शाह ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' किसी के कहने पर नहीं रोका गया था, बल्कि जब पाकिस्तान घुटने टेकने पर मजबूर हो गया तो उसके 'डीजीएमओ' ने फोन करके कहा, ''बहुत हो गया...।'' उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ कि लोगों को धर्म के आधार पर मारा गया और यह उनके लिए बेहद दुखद है। गृह मंत्री ने कहा, ''मैं इस सदन के माध्यम से आतंकवादियों से कहना चाहता हूँ... जम्मू-कश्मीर आतंकवाद से मुक्त होगा। यह मोदी जी का संकल्प है।'' शाह ने कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों की जान लेने वाले तीन आतंकवादी 'ऑपरेशन महादेव' के तहत मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं और इस हमले में उनकी संलिप्तता वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित कर ली गई है।

इसी के साथ शाह ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह अपने वोट बैंक और तुष्टीकरण की नीति के कारण पाकिस्तान एवं आतंकवादियों को बचाने का प्रयास कर रही है।

शाह ने कहा, ''मैं सदन के माध्यम से, 'ऑपरेशन महादेव' की जानकारी पूरे देश को देना चाहता हूं। 'ऑपरेशन महादेव' में सुलेमान, अफगान और जिब्रान नाम के तीन आतंकवादी – सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त अभियान में मारे गए।''

अमेरिकी राष्ट्रपति की सैन्य कार्रवाई रोकने में कोई भूमिका नहीं : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली, 30 जुलाई (वार्ता) विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक बार फिर दोहराया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ भारत की सैन्य कार्रवाई को रोकने में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कोई भूमिका नहीं थी।

जयशंकर ने राज्यसभा में 'पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक आपरेशन सिंदूर' पर मंगलवार को अधूरी रही चर्चा की बुधवार को शुरूआत करते हुए कहा कि सैन्य कार्रवाई को रोकने को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कोई बातचीत नहीं हुई थी। उन्होंने कहा, 'दोनों नेताओं के बीच 22 अप्रैल से लेकर 16

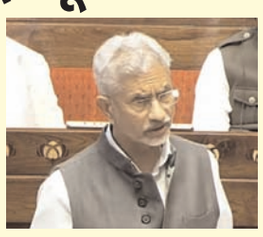

जून के बीच टेलीफोन पर कोई भी बात नहीं हुई थी।'

विदेश मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय कूटनीति की विफलता के विपक्ष के आरोपों को नकारते हुए कहा कि भारतीय कूटनीति बिल्कुल सही दिशा में थी। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की गयी। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के साजिशकर्ताओं और सीमा पार आतंकवाद की निंदा की जबकि मुंबई आतंकवादी हमले के बाद हुए ब्रिक्स सम्मेलन में जो बयान जारी किया गया था उसमें सीमा पार आतंकवाद का कोई जिक्र नहीं था। जयशंकर ने कहा कि जर्मनी फ्रांस, रूस और यूरोपीय संघ ने भी पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की।

जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए 25 अप्रैल को बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि यह तब हुआ जब पाकिस्तान सुरक्षा परिषद का सदस्य था और भारत इस विश्व संगठन से बाहर था।

विदेश मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सैन्य बलों के शौर्य की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने बहावलपुर और मुरीदके में आतंकवादी ठिकानों को पूरी सटीकता के साथ धवस्त किया। ये पाकिस्तान में आतंकवाद के गढ थे। यही नहीं, पाकिस्तान के कई हवाईअड्डों को भी निशाना बनाया गया।

भारत पर अमेरिका ने 25 प्रतिशत का शुल्क, जुर्माना लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/नयी दिल्ली, 30 जुलाई (भाषा) अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर दोनों देशों के बीच जारी बातचीत में कुछ गतिरोध के संकेतों के बीच बुधवार को भारत पर एक अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की है। इसके अलावा, ट्रंप ने रूस से सैन्य उपकरण और कच्चा तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त जुर्माना लगाने का भी फैसला किया।

यह आश्चर्यजनक घोषणा ऐसे समय में की गई है जब एक दिन पहले ही भारतीय अधिकारियों ने कहा था कि एक अमेरिकी व्यापार दल व्यापार

समझौते पर बातचीत करने के लिए 25 अगस्त से भारत का दौरा करेगा।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में भारत की व्यापार नीतियों को 'सबसे कठिन और अप्रिय' बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, सब कुछ ठीक नहीं है! इसलिए भारत को एक अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क और रूस से खरीद को लेकर 'जुर्माना' भी देना होगा। यह जुर्माना इसलिए लगाया गया क्योंकि भारत ने रूस से तेल और सैन्य उपकरणों की बड़ी खरीद की है।

ट्रंप ने भारत को अपना 'मित्र' बताया

हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पोस्ट में भारत को अपना 'मित्र' बताया। उन्होंने कहा, भारत हमारा मित्र है, लेकिन हमने पिछले कई वर्षों में उनके साथ अपेक्षाकृत कम व्यापार किया है, क्योंकि उनके शुल्क बहुत अधिक हैं, जो दुनिया में 'सबसे अधिक' हैं। उनके पास 'सबसे कठोर और अप्रिय' गैर-मौद्रिक व्यापार बाधाएं हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, भारत ने रूस से अपने सैन्य उपकरण और ऊर्जा उत्पाद तब खरीदे है जब हर कोई चाहता है कि रूस, यूक्रेन में हत्याएं बंद करे।

'निसार' की सफलता के साथ भारत-अमेरिका अंतरिक्ष सहयोग की उड़ान शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश), 30 जुलाई (भाषा) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के बीच साझेदारी के तहत बुधवार को जीएसएलवी रॉकेट से 'निसार' उपग्रह को कक्षा में स्थापित कर दिया गया।

'निसार' पृथ्वी अवलोकन उपग्रह को दोनों अंतरिक्ष एजेंसियों द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है।

इसरो के जीएसएलवी एफ-16 ने लगभग 19 मिनट की उड़ान के बाद और लगभग 745 किलोमीटर की दूरी पर निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार) उपग्रह को सूर्य तुल्यकालिक ध्रुवीय कक्षा (एसएसपीओ) में स्थापित कर दिया।

निसार उपग्रह दोनों अंतरिक्ष एजेंसियों के बीच एक दशक से

अधिक समय तक जारी रहे तकनीकी सहयोग के आदान-प्रदान का परिणाम है। इसरो और नासा के बीच उपग्रह के लिए यह अपनी तरह की पहली साझेदारी है।

इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने यहां से 102वें प्रक्षेपण के बारे में कहा, ''मुझे यह घोषणा करते हुए अत्यंत खुशी हो रही है कि जीएसएलवी एफ-16 ने निसार उपग्रह को सफलतापूर्वक इच्छित कक्षा में स्थापित कर दिया है।''

बताया जाता है कि बुधवार का मिशन दुनिया का सबसे महंगा मिशन है, जिसकी अनुमानित लागत 1.5 अरब अमेरिकी डॉलर है। इसके अलावा, यह एसएसपीओ के लिए पहला जीएसएलवी मिशन था और अब तक, सभी जीएसएलवी मिशन 'जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट' (जीटीओ) में ही गए हैं।

बेंगलूरु में 384 करोड़ रुपए के क्रिप्टो धोखाधड़ी मामले में एक गिरफ्तार

बेंगलूरु। कर्नाटक के बेंगलूरु में 384 करोड़ रुपये की कथित साइबर धोखाधड़ी के सिलसिले में 28 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। आरोपी ने क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग मंच के जरिए धोखाधड़ी को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार, नेब्लियो टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के उपाध्यक्ष (सार्वजनिक नीति और सरकारी मामले) हरदीप सिंह ने शिकायत दर्ज कराई कि एक अज्ञात व्यक्ति ने 19 जुलाई को कंपनी के क्रिप्टो वॉलेट को हैक कर लिया और 4.4 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य की क्रिप्टोकरेंसी को एक अज्ञात वॉलेट में स्थानांतरित कर दिया। पुलिस ने बताया कि इसके बाद इन संपत्तियों को छह अन्य अज्ञात वॉलेट में स्थानांतरित कर दिया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान कंपनी के कर्मचारी राहुल अग्रवाल के रूप में हुई है और उसे पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया गया है।

अपने व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए भारत सरकार सभी आवश्यक कदम उठाएगी

■ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में देश के किसानों, उद्यमियों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के हितों की रक्षा सर्वोच्च महत्वपूर्ण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली, 30 जुलाई (वार्ता) सरकार ने अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगाये जाने पर बुधवार को कहा कि वह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में देश के किसानों, उद्यमियों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के हितों की रक्षा को सर्वोच्च महत्व देती है।

आयात शुल्क पर ट्रंप सरकार के फैसले के बाद वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा, सरकार ने द्विपक्षीय व्यापार के बारे में अमेरिका के राष्ट्रपति के एक बयान को देखा है। सरकार उसके निहितार्थों का अध्ययन कर रही है।

बयान में कहा गया है कि भारत और अमेरिका पिछले कुछ महीने से एक न्यायोचित, संतुलित और परस्पर लाभदायक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए बातचीत में लगे हुये हैं। हम इस उद्देश्य के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

सरकार की ओर से कहा गया है कि वह देश के किसानों, उद्यमियों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योमों के कल्याण के संवर्धन और उनके हितों की रक्षा को सर्वोच्च महत्व देती है। सरकार अन्य सभी व्यापार समझौतों में अपने राष्ट्रीय हितों की हिफाजत के लिए हर आवश्यक कदम उठायेगी जिनमें हाल में ब्रिटेन के साथ हुआ व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता भी शामिल है।

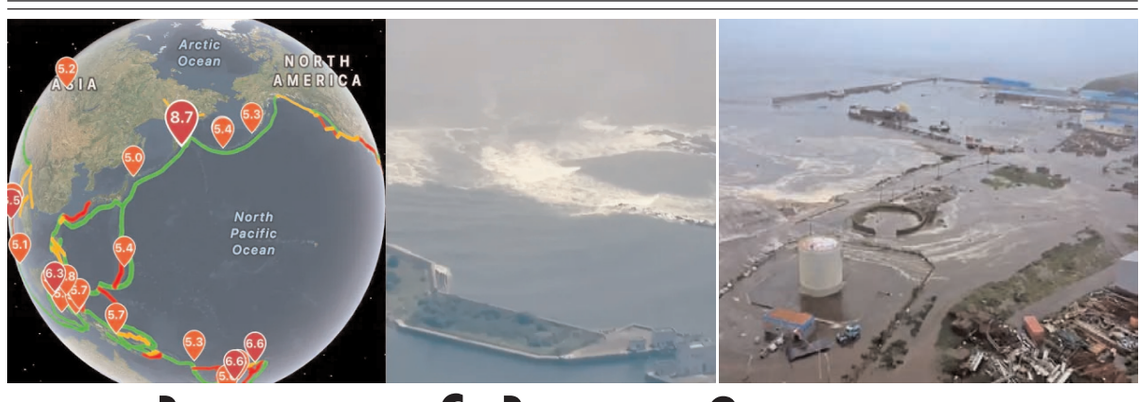

रूस के सुदूर पूर्व में 8.8 तीव्रता का भूकंप

भूकंप के कारण जापान, अमेरिका के हवाई और प्रशांत महासागर में सुनामी की लहरें उठीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तोक्यो, 30 जुलाई (एपी) रूस के सुदूर पूर्व में बुधवार तड़के आए 8.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के कारण जापान, अमेरिका के हवाई और प्रशांत महासागर में सुनामी की लहरें उठीं।

भूकंप और सुनामी के कारण कई लोग घायल हुए हैं तथा अब तक किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। हालांकि, प्राधिकारियों ने लोगों को तटरेखाओं से दूर रहने की चेतावनी दी है।

अमेरिका, जापान और रूस सहित कई क्षेत्रों के लिए सबसे बुरा दौर बीत चुका प्रतीत होता है क्योंकि सुनामी संबंधी चेतावनी के स्तर को कम कर दिया गया है, लेकिन दक्षिण अमेरिका के प्रशांत तट पर चिली और कोलंबिया में नई चेतावनियों के कारण लोगों को अपना घर खाली करना पड़ रहा है।

अमेरिका के पश्चिमी तट के अधिकतर हिस्सों में सुनामी संबंधी चेतावनी जारी रहने के बीच अमेरिकी गृह सुरक्षा मंत्री क्रिस्टी नोएम ने कहा कि सबसे बुरा समय बीत चुका है।

इस बीच, रूस के अधिकारियों ने सुदूर पूर्व में क्षेत्र में आए शक्तिशाली भूकंप के बाद कामचटका प्रायद्वीप और कुरील द्वीप समूह पर जारी सुनामी की चेतावनी रद्द कर दी। हालांकि, उनका कहना है कि अब भी कुछ खतरा बना हुआ है।

रूस के आपातकालीन मंत्रालय की क्षेत्रीय शाखा ने कामचटका को लेकर चेतावनी दी है कि भूकंप के बाद के झटकों की आशंका है, जिनकी तीव्रता 7.5 तक हो सकती है।

इसमें कहा गया है कि अवाचा खाड़ी में, जहां क्षेत्रीय राजधानी पेत्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की स्थित है, और भी सुनामी आ सकती है।

इससे पहले दिन में, रूस में कामचटका प्रायद्वीप पर 8.8 तीव्रता वाले भूकंप के केंद्र के पास स्थित बंदरगाहों में पानी भर गया जिससे निवासियों को सुरक्षित स्थानों की ओर जाना पड़ा। हवाई प्रांत की राजधानी में सड़कों और राजमार्गों पर जाम लग गया। यहां तक कि तटरेखा से दूर के इलाकों में भी यातायात ठप हो गया।

जापान के प्रभावित इलाकों में लोगों को बचाव केंद्रों में स्थानांतरित किया गया। इस भूकंप ने 2011 में आए भूकंप और सुनामी की यादें ताजा कर दी।

उच्चतम न्यायालय ने न्यायमूर्ति वर्मा से कहा

आपका आचरण विश्वसनीय नहीं है, आप पेश ही क्यों हुए

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने नकदी बरामदगी मामले में आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट को अमान्य करार देने का अनुरोध करने वाले न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आचरण को विश्वसनीय न बताते हुए बुधवार को उनसे तीखे सवाल पूछे।

आंतरिक समिति की रिपोर्ट में न्यायमूर्ति वर्मा को कदाचार का दोषी पाया गया था।

शीर्ष अदालत ने न्यायमूर्ति वर्मा से पूछा कि वह आंतरिक जांच समिति के समक्ष क्यों पेश हुए और उसे वहीं चुनौती क्यों नहीं दी।

अदालत ने न्यायमूर्ति वर्मा से कहा कि उन्हें समिति की रिपोर्ट के खिलाफ उच्चतम न्यायालय पहले आना चाहिए था।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने कहा कि अगर भारत के प्रधान न्यायाधीश के सामने यह मानने के लिए कोई दस्तावेज है कि किसी न्यायाधीश ने कदाचार किया है तो वह राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को सूचित कर सकते हैं। पीठ ने कहा, आगे बढ़ना या नहीं बढ़ना, राजनीतिक निर्णय से तय होगा।

31-07-2025 सूर्यास्त 6:36 बजे | 01-08-2025 सूर्योदय 5:54 बजे

BSE 81,481.86 (+143.91) | NSE 24,855.05 (+33.95)

सोना 10,345 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 127,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

महामना मंत्री

है लोकतंत्र में वही श्रेष्ठ,
जो हो सरकारों में मंत्री।
जिसके आगे नतमस्तक सब,
चाहे हो अफसर या संत्री।
है शिखर पुरुष वो महामना,
आदर देते सब गणतंत्री।
जनता ना करती माफ उसे,
हो अगर भ्रष्ट या षड़यंत्री।।

विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री का किया वितरण

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के आदि चुनचुनगिरि शिक्षण संस्थान ट्रस्ट, बन्नूर के तत्वावधान में महामठ संस्थान के सचिव सोमेश्वरनाथ स्वामी के सान्निध्य में संस्थान में प्रथम स्नातक सत्र में शामिल हुए विद्यार्थियों का सम्मान किया गया।

मुख्य अतिथि महेंद्रसिंह राजपुरोहित ने विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री वितरित की। राजपुरोहित ने कहा कि शिक्षा हमें एक अच्छे व्यक्ति के रूप में आकार देने और हमारे दृष्टिकोण को निखारने के लिए अति आवश्यक है। शिक्षा एक बेहतर नागरिक बनने और एक बेहतर समाज बनाने में मदद करती है। इस अवसर पर साहित्यकार एचएम पृथ्वीराज, बन्नूर पुलिस थाना उपनिरीक्षक कांशीनाथ, प्राचार्य उमाशंकर, राजशेखर आदि उपस्थित थे।

हुब्बल्ली के लिए 10 नई मेमू ट्रेनें शुरू करें

प्रह्लाद जोशी ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। प्रह्लाद जोशी ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से हुब्बल्ली-धारवाड़ के पड़ोसी शहरों से हुब्बल्ली आने-जाने वालों की सुविधा के लिए 10 नई मेमू ट्रेनें शुरू करने का अनुरोध किया है। इस मौके पर रेलराज्यमंत्री वी. सोमन्ना भी उपस्थित थे। धारवाड़ के सांसद और केंद्रीय खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की और मांग की कि कस्बों और गांवों से हुब्बल्ली आने-जाने वालों के लिए 10 नई मेमू ट्रेनें शुरू की जाएँ। हुब्बल्ली उत्तरी कर्नाटक की व्यावसायिक राजधानी है और आसपास के शहरों और ग्रामीण इलाकों से हर दिन लाखों लोग यहाँ आते-जाते हैं। इसलिए, उन्होंने अनुरोध किया कि यहाँ नई मेमू (मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) ट्रेनें चलाने के लिए कदम उठाए जाएँ। हुब्बल्ली शहर में शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय और अस्पतालों के लिए असंख्य लोग आते-जाते हैं। ट्रेनें हर दिन भरी रहती हैं। इसलिए, लोगों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए मेमू ट्रेनों की आवश्यकता है। इस क्षेत्र में रेल परिवहन सड़क परिवहन की तुलना में अधिक सुविधाजनक हो गया है, और मंत्री जोशी ने अनुरोध किया कि कोविड के दौरान निलंबित की गई कई यात्री रेल सेवाओं को फिर से शुरू किया जाए।

बेंगलूरु रेलवे स्टेशन के अलावा, हुब्बल्ली सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशन है, जहाँ प्रतिदिन 50,000 से अधिक यात्री आते-जाते हैं। अश्विनी वैष्णव का मानना था कि हुब्बल्ली स्टेशन, जहाँ दक्षिण पश्चिम रेलवे ज़ोन का मुख्यालय है, भारतीय रेलवे में महत्वपूर्ण है और इसे अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप परिवर्तित करना आवश्यक है।

उन्होंने हुब्बल्ली रेलवे स्टेशन को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के रेलवे स्टेशन में परिवर्तित करने पर भी महत्वपूर्ण चर्चा की। मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शहर के गदग रोड पर डबल लाइन रेलवे पुल को चार लाइनों तक विस्तारित करने के लिए एक और रेलवे पुल के निर्माण की भी माँग की। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने भी इस ओर ध्यान आकर्षित किया। मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने उत्तर कर्नाटक रेलवे की प्रत्येक रेलवे परियोजना पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।

ईडी ने तेलंगाना में भेड़ वितरण 'घोटाले' के सिलसिले में हैदराबाद में कई स्थानों पर छापेमारी की

हैदराबाद/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करोड़ों रुपए के भेड़ पालन एवं वितरण ''घोटाले'' से जुड़े धनशोधन के मामले की जांच के तहत हैदराबाद में कई स्थानों पर बुधवार को छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की पिछली सरकार के दौरान यह कथित घोटाला हुआ था।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बीआरएस के पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव के ओएसडी (विशेष कार्य अधिकारी) जी. कल्याण के अलावा घोटाले में शामिल लाभार्थियों और कथित बिचौलियों से जुड़े कम से कम आठ स्थानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत तलाशी ली गई। यह जांच दिसंबर 2023 में तेलंगाना पुलिस के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की प्राथमिकी पर आधारित है। एसीबी ने इस सिलसिले में फरवरी 2024 में चार सरकारी अधिकारियों को गिरफ्तार किया था। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की सरकार द्वारा अप्रैल 2017 में भेड़ पालन विकास योजना (एसआरडीएस) को राज्य में चरवाहा परिवारों को स्थायी आजीविका प्रदान करने और उनकी आय बढ़ाने के लिए शुरू किया गया था। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने पाया है कि प्राथमिकी में उक्त अपराध से केवल 2.1 करोड़ रुपए कमाए जाने की बात का जिक्र है, लेकिन नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में इस घोटाले से राज्य सरकार को करोड़ों रुपए का नुकसान बताया गया है।

मध्यप्रदेश में भारी बारिश से कई जिलों में बाढ़ की स्थिति, शिवपुरी में सेना बुलाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश में जारी भारी बारिश के बीच कई जिलों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है जबकि शिवपुरी जिले में हालात इस कदर बिगड़ चुके हैं कि राहत और बचाव के लिए सेना बुलानी पड़ी है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश के कुछ जिलों में गांव और घरों में पानी भर जाने जैसी परिस्थितियों के चलते अब तक 2,900 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया है।

गुना जिले में भी बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है, जहां एक पुल ढह गया। अधिकारियों ने बताया कि गुना के कई गांवों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले 24 घंटों में प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने भोपाल, विदिशा, नर्मदापुरम, रायसेन, सीहोर, अशोकनगर, गुना और शिवपुरी समेत कई जिलों में अगले 24 घंटे में 8 से 9 इंच तक बारिश होने का अनुमान जताया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने होमगार्ड मुख्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक कर मौजूदा स्थिति की जानकारी ली और बारिश से बुरी तरह प्रभावित जिलों के कलेक्टर व अन्य अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा है कि जान-माल की सुरक्षा सर्वोपरि है और जलमग्न क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित निकालना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षा प्रभावित क्षेत्रों में जिला एवं पुलिस प्रशासन, होमगार्ड, आपदा प्रबंधन दल सब मिलजुल कर पूरी सजगता और सतर्कता से कार्य करें, राहत एवं बचाव दल पूरी तैयारी से रहें और जरूरतमंदों तक तत्काल सभी प्रकार की मदद पहुंचाई जाए।

एक आधिकारिक बयान में मुख्यमंत्री ने कहा, भारी वर्षा के चलते प्रदेश के कुछ जिलों में गांव और घरों में पानी भर जाने जैसी परिस्थितियों के कारण अब तक 2900 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जहां-जहां भारी बारिश होने की सूचना और लोगों के बाढ़ के पानी में फंसे होने की जानकारी मिली है, वहां पूरी क्षमता से बचाव अभियान चलाए जा रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आपदा नियंत्रण कक्ष से जिलों में जारी राहत एवं बचाव कार्यों का अवलोकन किया और आपदा बचाव दल में तैनात अधिकारियों से बात की।

मोदी सरकार ने समावेशी नीतियां बनाकर हर क्षेत्र को मजबूत करने का काम किया है : सैनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को कहा कि केंद्र की भाजपा नीत सरकार ने समाज के सभी वर्गों के लिए समावेशी नीतियां बनाकर और भारत की समृद्ध संस्कृति व परंपराओं को संरक्षित करके हर क्षेत्र को मजबूत करने का काम किया है। सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा, केन्द्र सरकार ने समाज के सभी वर्गों के लिए समावेशी नीतियां बनाकर तथा भारत की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करके हर क्षेत्र को मजबूत करने का काम किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आज वैश्विक मंच पर एक उज्ज्वल स्थान के रूप में उभरा है। कुरुक्षेत्र जिले के दौरे पर आए सैनी ने पेहोवा में संवाददाताओं से कहा, देश की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से चौथे स्थान पर पहुंच गई है और पिछले 11 वर्षों में नागरिकों को अनेक प्रकार की सुविधाओं और सेवाओं का लाभ मिला है। 'ऑपरेशन सिंदूर' व 'ऑपरेशन महादेव' पर टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष ने केवल राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए संसदीय कार्यवाही को बाधित करने और रोकने का प्रयास किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सत्र के दौरान देश के सामने सच्चाई पेश की।

अमेरिकी शुल्क पर कांग्रेस ने कहा: इंदिरा से प्रेरणा लेकर ट्रंप के सामने खड़े हो जाएं पीएम

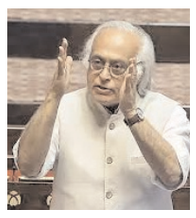

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत से अधिक शुल्क लगाने की घोषणा किए जाने के बाद बुधवार को कहा कि अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इंदिरा गांधी से प्रेरणा लेते हुए ट्रंप के सामने खड़े हो जाना चाहिए।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह कटाक्ष भी किया कि अब ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा की गई एक-दूसरे की तारीफ का कोई मतलब नहीं रह गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एक अगस्त से भारत पर 25 प्रतिशत से अधिक शुल्क लगाने की घोषणा की है। ट्रंप ने रूस से आयात करने को लेकर भारत से आयातित सभी वस्तुओं पर दंडात्मक उपाय के तौर पर जुर्माना लगाने की भी घोषणा की। यह 25 प्रतिशत शुल्क से अलग होगा। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क और जुर्माना लगा दिया है। उनके और 'हाउडी मोदी' के बीच हुई इस सारी तारीफ़ का कोई मतलब नहीं रह गया है। उन्होंने कहा, मोदी जी ने सोचा था कि अगर वह अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा भारत पर किए गए अपमानजनक शब्दों पर चुप रहे तो तो राष्ट्रपति ट्रंप के हाथों भारत को विशेष दर्जा मिलेगा। ज़ाहिर है कि ऐसा नहीं हुआ है। ट्रंप ने 'ऑपरेशन सिंदूर' रोकने के 30 बार दावे किए, पहलगाम हमले का मंसूबा बनाने वाले पाकिस्तानी सेना प्रमुख को विशेष भोज दिया और आईएमएफ तथा विश्व बैंक से पाकिस्तान को वित्तीय पैकेज के लिए अमेरिकी समर्थन दिया। रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को इंदिरा गांधी से प्रेरणा लेनी चाहिए और अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने खड़ा होना चाहिए।

सोनिया और कई विपक्षी नेताओं ने एसआईआर के खिलाफ प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के कई घटक दलों के सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करते हुए बुधवार को संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया। संसद के 'मकर द्वार' के निकट आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल और कई अन्य दलों के सांसद शामिल हुए।

विपक्षी सांसदों ने एक बड़ा बैनर भी ले रखा था, जिस पर 'एसआईआर- लोकतंत्र पर वार' लिखा हुआ था। उन्होंने 'एसआईआर वापस लो' के नारे लगाए। विपक्षी सांसदों की मांग है कि इस विषय पर संसद में चर्चा होनी चाहिए।

उच्चतम न्यायालय को कभी भी 'प्रधान न्यायाधीश-केंद्रित अदालत' नहीं होना चाहिए : सीजेआई गवई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने बुधवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय को कभी भी ''प्रधान न्यायाधीश-केंद्रित अदालत'' नहीं होना चाहिए, क्योंकि सीजेआई केवल न्यायाधीशों के बीच प्रथम हैं। प्रधान न्यायाधीश ने यह भी कहा कि उन्होंने न्याय प्रशासन संस्था में 'बार और बेंच' को हमेशा ''समान हितधारक'' माना है। वह 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन' (एससीबीए) द्वारा आयोजित एक अभिनंदन समारोह में बोल रहे थे।

सीजेआई ने कहा, मेरा मानना है कि प्रधान न्यायाधीश, न्यायाधीशों के बीच प्रथम हैं और उच्चतम न्यायालय को कभी भी प्रधान न्यायाधीश-केंद्रित अदालत नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत को सभी न्यायाधीशों और बार के सदस्यों की अदालत होना चाहिए। सीजेआई ने कहा, और इसलिए, मैं लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली में विश्वास करता हूं। इसलिए हम जो भी निर्णय लेते हैं, वे पूर्ण न्यायालय के निर्णय होते हैं।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि पिछले कई वर्षों में, 26 मई से 11 जुलाई तक के आंशिक कार्य दिवसों के दौरान सर्वोच्च न्यायालय में सबसे अधिक मामलों का निस्तारण हुआ है।

इस वर्ष न्यायालय ने अपनी पारंपरिक ग्रीष्मकालीन छुट्टियों को ''आंशिक न्यायालय कार्य दिवस'' नाम दिया है।

कर्नाटक में कांग्रेस नेतृत्व में स्पष्ट विभाजन के संकेत : भाजपा

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने बुधवार को दावा किया कि राज्य में मुख्यमंत्री बदलने के मुद्दे पर सत्तारूढ़ ''कांग्रेस में विभाजन'' के स्पष्ट संकेत हैं। विजयेंद्र ने अनुमान जताया कि राज्य में कांग्रेस के बीच सबकुछ ठीक नहीं है और दीवाली तक कुछ बड़ा बदलाव हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या विधायकों का विश्वास बरकरार रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। भाजपा नेता की यह टिप्पणी कर्नाटक के राजनीतिक हलकों में इस साल के अंत में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच आई है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच सत्ता-साझाकरण समझौते को लेकर काफी समय से अटकलें लगाई जा रही हैं। विजयेंद्र ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'कर्नाटक में कांग्रेस विधायकों में पूरी तरह से फूट पड़ गई है। विकास कार्यों की कमी के कारण मुख्यमंत्री से नाराज अधिकतर विधायकों को विश्वास में नहीं लिया जा रहा है। विधायक परेशान हैं और विभिन्न मुद्दों पर मुख्यमंत्री पर सार्वजनिक रूप से हमला कर रहे हैं।'

मैगी मामले से सबक लिया, संकट कंपनी में बदलाव के लिए अच्छा समय : नेस्ले इंडिया के सीएमडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) सुरेश नारायणन ने कहा है कि संकट किसी कंपनी में बदलाव लाने का सबसे अच्छा समय होता है। उन्होंने एक दशक पहले कंपनी को प्रभावित करने वाले मैगी संकट से सीखे गए सबक को साझा किया।

नारायणन एक दशक तक नेस्ले इंडिया का नेतृत्व करने और कंपनी को अस्तित्व के संकट से निकालकर एक फलते-फूलते कारोबार में बदलने के बाद इस महीने के अंत में सेवानिवृत्त होंगे। उन्होंने पीटीआई-भाषा से विशेष बातचीत में कहा कि जब माहौल में कोई भी बदलाव होता है, तो कंपनी को यह आकलन करते हुए उस पर नजर रखनी चाहिए कि इसका कितना प्रभाव पड़ने वाला है। कंपनी के लोकप्रिय उत्पाद मैगी पर खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने जून, 2015 में प्रतिबंध लगा दिया था, क्योंकि इसमें कथित तौर पर स्वीकार्य सीमा से अधिक सीसा पाया गया था। उस समय नेस्ले फिलिपीन के चेयरमैन और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का कार्यभार संभाल रहे नारायणन को इस संकट से निपटने के लिए स्विस खाद्य बहुराष्ट्रीय कंपनी ने तुरंत भारत भेज दिया। वह एक अगस्त, 2015 को नेस्ले इंडिया में प्रबंध निदेशक (एमडी) के रूप में शामिल हुए और प्रतिबंध हटने के पांच महीने बाद नवंबर, 2015 में मैगी को फिर से पेश किया गया।

जब उनसे पूछा गया कि मैगी संकट से क्या सबक सीखा गया, तो उन्होंने कहा, संकट बदलाव लाने का एक बहुत अच्छा समय होता है। आप उन सभी चीज़ों को हटा सकते हैं जो उपभोक्ता के लिए मूल्यवर्धन के उद्देश्य की पूर्ति नहीं कर रही हैं, और ऐसी चीज़ें ला सकते हैं जो उपभोक्ता के लिए मूल्यवर्धन करें। मैगी संकट के दौरान अपने अनुभव को याद करते हुए उन्होंने कहा कि पहले 100 दिन उनके करियर की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक थे।

दिल्ली को 821 करोड़ रुपए की विशेष सहायता देगी केंद्र सरकार: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 821.26 करोड़ रुपए की विशेष सहायता राशि को मंजूरी दी है। रेखा गुप्ता ने इस महीने की शुरुआत में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की थी और उन्हें दिल्ली में जारी विभिन्न योजनाओं की प्रगति व भविष्य की जरूरतों के बारे में जानकारी दी थी। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैं दिल्ली के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 821.26 करोड़ रुपए की विशेष सहायता राशि को मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी, गृह मंत्री अमित शाह जी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी का तहे दिल से आभार व्यक्त करती हूं। इस धनराशि से स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, जल, आवास, ऊर्जा और मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (एमआरटीएस) के चतुर्थ चरण जैसे क्षेत्रों की 33 परियोजनाओं को मदद मिलेगी। गुप्ता ने कहा कि यह निर्णय 'विकसित भारत' के संकल्प को 'विकसित दिल्ली' में बदलने की दिशा में एक 'दूरदर्शी' कदम है। उन्होंने पोस्ट में कहा, दिल्ली सरकार इन परियोजनाओं को समय पर, पारदर्शी और उच्च-गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एप्पल ने उत्पादों की खरीद के लिए वीडियो कॉल पर सलाह सेवा शुरू की

नई दिल्ली/भाषा। प्रौद्योगिकी कंपनी एप्पल ने भारत में संभावित ग्राहकों के लिए वीडियो परामर्श सेवा शुरू की है जिसके माध्यम से एप्पल विशेषज्ञ से जुड़कर उपयुक्त उत्पाद चुनने में व्यक्तिगत सलाह ली जा सकती है। कंपनी ने बयान में कहा इस सेवा के जरिये ग्राहक एप्पल के आईफोन 16 व अन्य उत्पादों के बारे में जान सकेंगे, मॉडल की तुलना कर सकेंगे और खरीदारी के वित्तपोषण विकल्पों की जानकारी भी ले सकेंगे। एप्पल ने कहा कि भारत ऐसा दूसरा देश है जहां पर 'शॉप विद अ स्पेशलिस्ट ओवर वीडियो' सेवा शुरू की गई है। इस सेवा के तहत ग्राहक सुरक्षित, एकतरफा वीडियो कॉल के जरिये एप्पल स्टोर टीम के सदस्य से जुड़ेंगे। विशेषज्ञ ग्राहक की जरूरत को ध्यान में रखते हुए उपयुक्त उत्पाद के बारे में सुझाव देंगे। यह सेवा आईओएस और गैर-आईओएस दोनों उपकरणों पर उपलब्ध है और फिलहाल अंग्रेज़ी भाषा में दी जा रही है।

माइक्रोसॉफ्ट ने नायरा एनर्जी की सभी सेवाएं बहाल कीं, याचिका का निपटारा हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट कॉर्प ने रूस की पेट्रोलियम कंपनी रोसनेफ्ट समर्थित नायरा एनर्जी की सभी सेवाएं बहाल कर दी हैं।

इस कदम के बाद माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर मुकदमे का निपटारा नायरा एनर्जी के पक्ष में कर दिया गया है। नायरा और माइक्रोसॉफ्ट दोनों कंपनियों ने ईमेल पहुंच एवं अन्य सेवाओं को बहाल किए जाने की पुष्टि की। नायरा ने सेवाओं के 'एकतरफा' निलंबन के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। इस पर सुनवाई से ठीक पहले माइक्रोसॉफ्ट ने सेवाएं बहाल कर दीं। नायरा एनर्जी ने बयान में कहा, कंपनी पुष्टि करती है कि उसके परिचालन के लिए महत्वपूर्ण सभी माइक्रोसॉफ्ट सेवाएं पूरी तरह से बहाल कर दी गई हैं और इसकी व्यावसायिक निरंतरता और डेटा अखंडता में कोई व्यवधान नहीं आया है। नायरा, माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सशुल्क सेवाओं का इस्तेमाल कर रही थी। लेकिन माइक्रोसॉफ्ट ने सोमवार को ये सेवाएं अचानक और एकतरफा ढंग से बंद कर दी थीं। माइक्रोसॉफ्ट ने यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के बाद नायरा एनर्जी को सेवाएं देना बंद कर दिया था। यूरोपीय संघ ने इस महीने की शुरुआत में यूक्रेन के साथ युद्ध को लेकर रूस के खिलाफ नए उपायों के तहत नायरा पर प्रतिबंध लगाए थे। इसके विरोध में नायरा एनर्जी ने दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया, जिसने 28 जुलाई को याचिका पर नोटिस जारी कर दिया।

माइक्रोसॉफ्ट ने याचिका पर सुनवाई से पहले ही बुधवार सुबह 10 बजे नायरा के लिए ईमेल, माइक्रोसॉफ्ट टीम्स और अन्य सेवाओं तक पूरी पहुंच बहाल कर दी। मामले की सुनवाई शुरू होने पर न्यायालय ने दर्ज किया कि तत्काल शिकायत का समाधान हो गया है। नायरा को स्पष्ट छूट दी गई कि दोबारा समस्या आने पर वह फिर से अदालत का रुख कर सकती है। इसके साथ ही उच्च न्यायालय ने नायरा एनर्जी के पक्ष में याचिका का निपटारा कर दिया। माइक्रोसॉफ्ट के एक प्रवक्ता ने भी नायरा की सेवाएं बहाल करने की पुष्टि की। प्रवक्ता ने कहा, माइक्रोसॉफ्ट भारत और दुनिया भर में अपने सभी ग्राहकों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है और उसने नायरा एनर्जी की सेवाएं बहाल कर दी हैं। हम संगठन के लिए सेवा निरंतरता सुनिश्चित करने को यूरोपीय संघ के साथ लगातार चर्चा कर रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत विरोधी सामग्री फैलाने वाले 1,400 से अधिक 'यूआरएल' ब्लॉक किए गए : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान डिजिटल मीडिया, मुख्य रूप से पाकिस्तान के सोशल मीडिया खातों, पर 1,400 से अधिक 'यूआरएल' (वेब पते) ब्लॉक कर दिए क्योंकि उनमें भ्रामक और भारत विरोधी सामग्री थी। उन्होंने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि यह पाया गया कि कुछ सोशल मीडिया हैंडल, जिनमें से कई भारत के बाहर से संचालित हो रहे थे, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सक्रिय रूप से झूठी और संभावित रूप से हानिकारक सूचना का प्रसार कर रहे थे।

वैष्णव ने बताया, मंत्रालय ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान डिजिटल मीडिया पर 1,400 से अधिक यूआरएल (यूनिफॉर्म रिसोर्स लोकेटर) को ब्लॉक करने के निर्देश भी जारी किए। इन यूआरएल की सामग्री में झूठी, भ्रामक, भारत विरोधी समाचार सामग्री, मुख्य रूप से पाकिस्तान से संचालित सोशल मीडिया खातों से सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री और भारतीय सशस्त्र बलों के खिलाफ भड़काऊ सामग्री शामिल थी।

उन्होंने भाजपा सदस्य तेजस्वी सूर्या के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 की धारा 69ए के तहत सरकार ने भारत की संप्रभुता और अखंडता, भारत की रक्षा, देश की सुरक्षा और लोक व्यवस्था के हित में वेबसाइटों, सोशल मीडिया हैंडल और पोस्ट को ब्लॉक करने के लिए आवश्यक आदेश जारी किए।

वैष्णव ने बताया कि सरकार ने मीडिया को भी एक परामर्श जारी किया, जिसमें सभी समाचार चैनलों से राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की आवाजाही का सीधा प्रसारण न दिखाने को कहा गया। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, अंतर-विभागीय समन्वय के लिए एक केंद्रीकृत नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया था।

मंत्री ने बताया कि यह नियंत्रण कक्ष चौबीसों घंटे कार्यरत था और सभी मीडिया हितधारकों को वास्तविक समय पर सूचना प्रसारित करने में सहायता कर रहा था।

बालाजी से जुड़े मुकदमे की सुनवाई के लिए क्रिकेट स्टेडियम की जरूरत होगी : न्यायालय का कटाक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी से जुड़े नौकरी के बदले नकदी घोटाला मामले में 2000 से अधिक लोगों को आरोपी बनाए जाने पर तमिलनाडु सरकार को फटकार लगाई तथा सभी आरोपियों और गवाहों का ब्यौरा मांगा। पूर्व मंत्री से जुड़े मामलों की सुनवाई को ''बिना पतवार वाली नौका'' करार देते हुए न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि यदि न्यायपालिका ने हस्तक्षेप नहीं किया होता तो अनिच्छुक राज्य सरकार नकद के बदले नौकरी घोटाले में पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी से जुड़े मामलों को दबाकर बंद करना चाहती थी।

पीठ ने घोटाले के पीड़ितों का प्रतिनिधित्व करने वाले और मामलों को एक साथ करने के फैसले का विरोध करने वाले वाई. बालाजी की पैरवी करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन से कहा, इस मामले में 2,000 से अधिक आरोपी और 500 गवाह होने के कारण यह भारत का सबसे अधिक भीड़भाड़ वाला मुकदमा होगा। इस मामले की सुनवाई के लिए न्यायालय का छोटा कक्ष पर्याप्त नहीं होगा तथा सभी अभियुक्तों की उपस्थिति दर्ज कराने के लिए एक क्रिकेट स्टेडियम की जरुरत पड़ेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से पैदा किए गए आरोपी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए सामने आएंगे।

विशेष लोक अभियोजक की नियुक्ति के अनुरोध पर पीठ ने राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से कहा कि जब किसी मामले में एक ताकतवर मंत्री और धनी लोग आरोपी होते हैं तो ऐसी धारणा बन जाती है कि अकेला सरकारी अभियोजक न्याय नहीं कर पाएगा।

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को तमिलनाडु सरकार से इस बात को लेकर नाखुशी जताई कि वह ''नौकरी के बदले नकदी घोटाले'' में 2,000 से अधिक लोगों को आरोपी बनाकर राज्य के पूर्व मंत्री वी सेंथिल बालाजी से जुड़े मुकदमों की सुनवाई में देरी करने का प्रयास कर रही है।

न्यायालय ने इस प्रयास को न्यायिक प्रणाली के साथ पूर्ण ''धोखाधड़ी'' करार दिया था। वी सेंथिल बालाजी ने शीर्ष अदालत की फटकार के बाद 27 अप्रैल को मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व वाले राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। उच्चतम न्यायालय ने 23 अप्रैल को बालाजी से कहा था कि वह ''पद और आजादी के बीच'' में से किसी एक को चुनें।

न्यायालय ने उन्हें चेतावनी दी थी कि अगर वह मंत्री पद से इस्तीफा नहीं देते हैं, तो उनकी जमानत रद्द कर दी जाएगी। पीठ ने इस बात पर आपत्ति जताई थी कि सेंथिल बालाजी को नकदी के बदले नौकरी घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में जमानत मिलने के कुछ ही दिनों बाद फिर से दक्षिणी राज्य का मंत्री बना दिया गया था। उच्चतम न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जांच किए जा रहे एक मामले में सेंथिल बालाजी को 26 सितंबर 2024 को जमानत दी थी।

प्रदर्शनी — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बुधवार को चेन्नई के अन्ना शताब्दी पुस्तकालय में आयोजित प्रथम तमिलनाडु नवाचार (आईएन2टीएन) बौद्धिक संपदा सम्मेलन के अवसर पर आयोजित प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी में तमिलनाडु के 16 शोधकर्ताओं के पेटेंट प्राप्त सफल नवाचारों वाले मंडपों का दौरा उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने किया और शोधकर्ताओं के साथ बातचीत की। इस अवसर पर माननीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल सेवा मंत्री डॉ. पलानीवेल त्यागराजन, राज्य योजना आयोग के कार्यवाहक उपाध्यक्ष डॉ. जे. जयरंजन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल सेवा सरकार के प्रधान सचिव प्रजेन्द्र नवनीत, आईएबी, आईटीएनटी सेंटर की सीईओ वनिता वेणुगोपाल, राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास निगम (एनआरडीसी) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सेवानिवृत्त) कमांडर अमित्रस्तोगी, जेटवर्क के इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख जोश फोल्गर, आईआईटी मद्रास रिसर्च पार्क के समूह सीईओ नटराजन मल्लुपिल्ली, एस्ट्राजेनेका इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं वैश्विक नवाचार एवं प्रौद्योगिकी केंद्र के प्रमुख शिवकुमार पद्मनाभन, तथा शोधकर्ता एवं कॉलेज के छात्र उपस्थित थे।

जो लोग वेदों की रक्षा करते हैं, वेद भी उनकी रक्षा करते हैं : न्यायमूर्ति जीआर स्वामीनाथन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी.आर. स्वामीनाथन ने कहा है कि एक अदालती फैसले से उन्हें यह अहसास हुआ है कि जब वेदों की रक्षा की जाएगी, तो वेद भी उनका संरक्षण करने वाले लोगों की रक्षा करेंगे। एक घटना और उससे संबंधित अदालती मामले का जिक्र करते हुए न्यायाधीश ने कहा कि एक वैदिक विद्वान को सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत के मामले में दोषी ठहराया गया और 18 महीने के कारावास की सजा सुनाई गई। उन्होंने कहा कि इस मामले के बाद उनका नजरिया बदल गया।

न्यायाधीश ने पिछले हफ्ते यहां एक ट्रस्ट द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वैदिक प्रतिभा सम्मेलन को संबोधित करते इस घटना के बारे में बताया। न्यायाधीश के संबोधन का एक वीडियो क्लिप अब सोशल मीडिया पर उपलब्ध है। न्यायमूर्ति स्वामीनाथन ने कहा कि वेदों और शास्त्रों के ज्ञाता वह वेद 'शास्त्री' तब से उनके मित्र थे, जब वह (स्वामीनाथन) वकालत किया करते थे।

न्यायाधीश ने याद करते हुए बताया कि एक दिन शास्त्री जी अपने एक अन्य मित्र के साथ उनसे मिलने आए और जब उन्हें बताया गया कि शास्त्री को दोषी ठहराया गया है और जेल की सजा दी गई है तो उन्हें विश्वास नहीं हुआ। न्यायाधीश ने विस्तार से बताते हुए कहा कि वैदिक पंडित की बहन अमेरिका से भारत घूमने आई थीं। अपने बच्चों और भाई के साथ, वह मंदिरों में दर्शन करने गई थीं और कार भी वही चला रही थीं। यह स्पष्ट नहीं है कि क्या हुआ और कार ने चाय की दुकान के सामने एक व्यक्ति को टक्कर मार दी और उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि शास्त्री की बहन को अमेरिका जाना था, इसलिए शास्त्री ने लापरवाही से कार चलाने का आरोप अपने ऊपर लेते हुए पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इस मामले में मुकदमा चला और शास्त्री को 18 महीने जेल की सजा सुनाई गई।

न्यायाधीश ने कहा कि ऐसे मामलों में छह महीने की जेल की सजा आम बात है। न्यायाधीश ने कहा कि शास्त्री की चोटी थी और वह पूरी पारंपरिक पोशाक पहनकर अदालत आते थे और शास्त्री ने उन्हें (स्वामीनाथन) बताया कि इसी पोशाक के कारण उन्हें 18 महीने की जेल की सजा सुनाई गई थी। न्यायाधीश ने कहा कि जब उन्होंने मामले के दस्तावेजों का अवलोकन किया, तो पाया कि एक भी गवाह ने गाड़ी चलाने वाले की पहचान नहीं की थी। इसके अलावा, अदालत में किसी ने भी वैदिक विद्वान की पहचान नहीं की और विद्वान के खिलाफ कोई गवाह नहीं था।न्यायमूर्ति स्वामीनाथन ने कहा कि चूंकि उस समय वह एक वकील थे, इसलिये उन्होंने इस मामले को उठाया और अपील की। न्यायमूर्ति स्वामीनाथन ने कहा, हमने इस एक बिंदु को उठाया और अपीलीय अदालत में बहस की। उन्होंने कहा कि शास्त्री के लिए यह अच्छी बात थी कि अपील की सुनवाई करने वाला न्यायाधीश उनका सहपाठी था। अंततः शास्त्री को बरी कर दिया गया क्योंकि उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं था।

न्यायाधीश स्वामीनाथन ने कहा, उस दिन मुझे एहसास हुआ कि जब हम वेदों की रक्षा करेंगे, तो वेद हमारी रक्षा करेंगे। उस समय तक, मुझे ऐसे मामलों में गहरी दिलचस्पी नहीं थी। सोचिए, कम से कम एक गवाह तो यह कह सकता था कि शास्त्री जी कार चला रहे थे। एक ने भी ऐसा नहीं कहा।

न्यायमूर्ति स्वामीनाथन ने याद करते हुए कहा कि सभी आठ गवाहों ने कहा कि कार अनियंत्रित हो गई जिससे उस व्यक्ति को टक्कर लगी और उसकी मौत हो गई।

दलित इंजीनियर हत्या मामले की जांच सीबी-सीआईडी को सौंपी गई

चेन्नई। तमिलनाडु पुलिस ने एक दलित आईटी इंजीनियर की हत्या की जांच बुधवार को अपराध शाखा-आपराधिक जांच विभाग (सीबी-सीआईडी) को सौंप दी और मामले में आरोपी के खिलाफ गुंडा अधिनियम की धारा भी जोड़ी गई है। इसे झूठी शान के लिए हत्या का संदिग्ध मामला माना जा रहा है। पुलिस ने कहा कि आरोपी व्यक्ति सुरजीत की बहन और कविन सेल्वागणेश, जिनकी हत्या कर दी गई थी, एक -दूसरे को जानते थे और प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि हत्या का कारण दोनों की नजदीकी हो सकती है।

पुलिस ने बताया कि बुधवार को सुरजीत पर गुंडा अधिनियम भी लगाया गया। हत्या के बाद उसे 27 जुलाई को गिरफ्तार किया गया और उसी दिन न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। डीजीपी कार्यालय ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि निष्पक्ष और पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने के लिए आरोपी के माता-पिता, जो तमिलनाडु विशेष पुलिस बटालियन में उप-निरीक्षक हैं, दोनों को निलंबित कर दिया गया है।

एसआरएम ग्लोबल हॉस्पिटल्स ने सफलता पूर्वक दुर्लभ किडनी प्रत्यारोपण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एसआरएम ग्लोबल हॉस्पिटल्स ने एक 28 वर्षीय पूर्व आईटी पेशेवर पर उच्च-जोखिम वाला एबीओ-असंगत किडनी प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किया। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें अलग-अलग रक्त समूह वाले दाता और प्राप्तकर्ता शामिल होते हैं। यह व्यक्ति एक स्व-प्रतिरक्षी विकार के कारण किडनी खराब होने के बाद तीन साल से अधिक समय से डायलिसिस पर था। प्रत्यारोपित किडनी, जो उसके पिता द्वारा दान की गई थी, के अस्वीकार होने के जोखिम को कम करने के लिए, अस्पताल ने प्रत्यारोपण के समय रोगी के एंटीबॉडी स्तर को मानक सुरक्षा सीमा के भीतर लाने के लिए इम्यूनोएड्सॉर्प्शन नामक एक विशेष प्रक्रिया का उपयोग किया। रोगी अब अच्छी तरह से ठीक हो रहा है और आगे के प्रबंधन के लिए डायलिसिस से मौखिक इम्यूनोसप्रेसिव थेरेपी पर स्विच कर चुका है।

चेन्नई के मरीज़, जोसेफ राज को आईजीए नेफ्रोपैथी होने का पता चला, जो एक क्रोनिक किडनी रोग है जिसमें प्रतिरक्षा प्रणाली एंटीबॉडीज़ बनाती है जो गलती से किडनी पर हमला कर देती हैं, अक्सर आनुवंशिक कारणों से। इस बीमारी के कारण किडनी फेल्योर की अंतिम अवस्था हो गई, जिसके कारण उन्हें अपनी नौकरी छोड़नी पड़ी और पिछले तीन सालों से हफ़्ते में तीन बार डायलिसिस करवाना पड़ रहा है। सर्जरी के बाद, जोसेफ राज ने इम्यूनोसप्रेसिव थेरेपी का अच्छा असर दिखाया और उन्हें उत्कृष्ट मनोदशा में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, जिससे उनकी रिकवरी काफी तेज़ी से हुई। वर्तमान में उनका नियमित फॉलो-अप और इम्यूनोसप्रेसिव थेरेपी चल रही है।

सर्जरी के बाद की उनकी योजना में स्वस्थ जीवनशैली, संक्रमण नियंत्रण और नियमित जाँच शामिल हैं। उम्मीद है कि वह सामान्य जीवन जी पाएँगे और अंततः काम पर लौट पाएँगे। प्रत्यारोपण टीम का नेतृत्व डॉ. मैथ्यू गेरी जॉर्ज, वरिष्ठ सलाहकार नेफ्रोलॉजिस्ट और डॉ. दीपक, सलाहकार यूरोलॉजिस्ट और प्रत्यारोपण सर्जन ने किया। एसआरएम ग्लोबल हॉस्पिटल्स के अध्यक्ष डॉ. पी. सत्यनारायणन ने अपनी टिप्पणी में कहा, यह असाधारण मामला हमारी प्रत्यारोपण टीम द्वारा प्रदर्शित नैदानिक उत्कृष्टता और त्वरित निष्पादन का प्रमाण है। इतने जटिल प्रोटोकॉल को एक निश्चित समय-सीमा में पूरा करना हमारे लिए बेहद गर्व की बात है। सर्जरी के बारे में बात करते हुए, एसआरएम ग्लोबल हॉस्पिटल्स के वरिष्ठ सलाहकार नेफ्रोलॉजिस्ट, डॉ. मैथ्यू गेरी जॉर्ज ने कहा, किडनी प्रत्यारोपण का लक्ष्य रोगी के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है। यह मामला महत्वपूर्ण है क्योंकि हमने एबीओ-असंगत प्रत्यारोपण को शामिल किया है, जिसे कभी उच्च जोखिम वाला और एक निश्चित सीमा से आगे लगभग असंभव माना जाता था, और अब सही विशेषज्ञता और बुनियादी ढाँचे के साथ यह संभव है।

भाजपा कर्नाटक रायता मोर्चा के समर्थकों ने बुधवार को बेलगावी में केंद्र सरकार द्वारा किसानों को उपलब्ध कराए गए उर्वरक का उचित वितरण न करने के लिए कर्नाटक सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

अल्पसंख्यक मोर्चा की राज्य स्तरीय कार्यशाला हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बुधवार को यहां मल्लेश्वरम् स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम युवा स्टार्टअप पुरस्कार पर एक राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने इसमें भाग लिया और इसका उद्घाटन किया। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी का सम्मान किया। इस मौके पर अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अनिल थॉमस, अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश महासचिव इंद्र कुमार जैन, अल्पसंख्यक मोर्चा सोशल मीडिया के राष्ट्रीय सह-संयोजक जसवंत जैन, अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष अब्दुल अजीम, सैयद सलाम, अल्पसंख्यक विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष मुख्तार पठान, ईसाई विकास समिति के पूर्व अध्यक्ष शांताकुमार कैनेडी, निर्णायक समिति के सदस्य शेख तालिब उपस्थित थे।

'धर्मस्थल' मामले संबंधी एसआईटी प्रमुख को बदलने की जरूरत है या नहीं, सरकार तय करेगी : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार कानून और नियमों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लेगी कि वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी प्रणब मोहंती को बदलने की जरूरत है या नहीं, जो 'धर्मस्थल' में बड़े पैमाने पर शवों को दफनाने के आरोपों की जांच के लिए गठित एसआईटी प्रमुख हैं। वह मोहंती के स्थान पर किसी अन्य को नियुक्त करने के संबंध में संवाददाताओं द्वारा पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। मोहंती का नाम महानिदेशक स्तर के अधिकारियों की केंद्र सरकार की उस सूची में है जो केंद्र सरकार में सेवा दे सकते हैं।

परमेश्वर ने एक सवाल के जवाब में कहा, हम इस बात पर चर्चा करेंगे कि क्या वह (मोहंती) केंद्र में नई भूमिका में रहते हुए विशेष जांच दल (एसआईटी) का नेतृत्व जारी रख सकते हैं या उन्हें हटा दिया जाना चाहिए।

अगर कानून और नियम इसकी इजाजत देते हैं तो वह एसआईटी का नेतृत्व जारी रख सकते हैं। हम उन्हें बनाए रखेंगे। अगर उन्हें बदलने की जरूरत पड़ी तो सरकार उसी स्तर के अधिकारी की नियुक्ति करेगी।

एसआईटी जांच के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैं धर्मस्थल' एसआईटी जांच पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। जांच पूरी होने और रिपोर्ट मिलने के बाद ही हम कुछ कह सकते हैं। तब तक मैं कुछ नहीं बोलूंगा।

राज्यपाल ने आदिवासी संस्कृति, विरासत और स्वदेशी प्रथाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने कहा कि आदिवासी सांस्कृतिक विरासत को संग्रहालयों तक सीमित रखने के बजाय शिक्षा, नीति निर्धारण और सामाजिक विकास के केंद्र में लाना आवश्यक है।

जनजातीय ज्ञान प्रणालियाँ हमारे लिए केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य के लिए एक दिशा हैं। वह यहां बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती समारोह के अंतर्गत माउंट कार्मेल कॉलेज (स्वायत्त) के सहयोग से आईसीएसएसआर द्वारा आयोजित आदिवासी संस्कृति, विरासत और स्वदेशी प्रथाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, भारत में 700 से ज़्यादा मान्यता प्राप्त आदिवासी समुदाय हैं। इन समुदायों की संस्कृति, भाषाएँ, गीत, नृत्य, लोक कथाएँ, सामाजिक व्यवस्थाएँ और जीवन-शैली विविधतापूर्ण भारत की सुंदरता को दर्शाती हैं और मानव सभ्यता के सबसे प्राचीन ज्ञान की वाहक हैं।

बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती समारोह के अंतर्गत आईसीएसएसआर के सहयोग से आदिवासी श्रद्धांजलि श्रृंखला के अंतर्गत माउंट कार्मेल कॉलेज में आयोजित आदिवासी संस्कृति, विरासत और स्वदेशी रीति-रिवाज विषयक सम्मेलन अत्यंत समसामयिक एवं प्रासंगिक है। जल, जंगल और जमीन के रक्षक बिरसा मुंडा ने भारतीय आदिवासी समाज को स्वाभिमान, संगठित प्रतिरोध और सांस्कृतिक पुनरुत्थान का मार्ग दिखाया। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया और आदिवासी समाज के स्वाभिमान को पुनर्स्थापित किया। उनके नेतृत्व में हुई उलगुलान क्रांति एक सांस्कृतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक आंदोलन भी थी। वे सांस्कृतिक स्वराज के अग्रदूत थे। उन्होंने भारत की आदिवासी परंपराओं, भाषा, आस्था और जीवनशैली को बचाने के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा, हमारे आदिवासी समुदाय हजारों वर्षों से इस धरती पर संतुलित सह-अस्तित्व का एक अद्भुत उदाहरण रहे हैं। लोकगीतों और कथाओं में निहित पर्यावरण, इतिहास, त्योहारों, मान्यताओं और ज्ञान प्रणालियों के साथ उनके संबंधों का आज की तेजी से बदलती दुनिया में भी गहरा अर्थ है।

राहुल गांधी 'वोट चोरी' को लेकर 4 अगस्त को बेंगलूरु में विरोध-प्रदर्शन में भाग लेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ''वोट चोरी'' के विरोध में चार अगस्त को बेंगलूरु में आयोजित होने वाले प्रदर्शन में हिस्सा लेंगे और यहां निर्वाचन आयोग के अधिकारियों को एक ज्ञापन सौंपेंगे। राहुल गांधी ने हाल ही में दावा किया था कि उनकी पार्टी ने कर्नाटक के एक लोकसभा क्षेत्र का अध्ययन करके यह पता लगाया है कि किस प्रकार ''वोट चोरी''की जाती है। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जारी विवाद के बीच, लोकसभा में विपक्ष के नेता ने 23 जुलाई को आरोप लगाया था कि भारत में ''वोटों की चोरी'' हो रही है और दावा किया था कि उनकी पार्टी ने पता लगा लिया है है कि ये कैसे किया जा रहा है। राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा, राहुल गांधी ने चुनावों में धांधली के खिलाफ आवाज उठाई है। उन्होंने कहा था कि ऐसी घटनाएं कर्नाटक में भी हुई हैं, इसलिए वह यहां निर्वाचन आयोग के अधिकारियों को ज्ञापन देने आ रहे हैं। वह चार अगस्त को आएंगे।'' उन्होंने कहा कि कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी इसको लेकर एक कार्यक्रम (विरोध प्रदर्शन) आयोजित करेगी, जिसके बाद निर्वाचन अधिकारियों को एक ज्ञापन सौंपा जाएगा।

कई इलाकों में भारी बारिश का दौर जारी, बाढ़ के हालात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अनेक जिलों में लगातार भारी बारिश हो रही है जिससे निचले इलाकों में पानी भर गया है और बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। मौसम विभाग ने बुधवार को भी अनेक जिलों में अति भारी बारिश का 'रेड अलर्ट' जारी किया है। राजधानी जयपुर में सुबह से ही रुक रुक कर बारिश हो रही है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार बुधवार सुबह तक बीते चौबीस घंटे में पूर्वी राजस्थान में अनेक जगह भारी से अत्यंत भारी बारिश हुई। सर्वाधिक बारिश खंडार (सवाई माधोपुर) में (230.0 मिलीमीटर) दर्ज की गई। इसके अलावा मलारना डूंगर में 22 सेंटीमीटर, टोंक के निवाई में 17 सेंटीमीटर, बारां के शाहाबाद में 16 सेंटीमीटर, कोटा के पीपल्दा में 11 सेंटीमीटर, दौसा में 10 सेंटीमीटर, झालावाड़ के मनोहर थाना में 10 सेंटीमीटर बारिश हुई।

मौसम विभाग ने बुधवार को भी बारां, बूंदी, चित्तौड़गढ़, झालावाड़, कोटा और प्रतापगढ़ में अति भारी बारिश का 'रेड अलर्ट' जारी किया है जबकि अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, भरतपुर व जयपुर सहित एक दर्जन से अधिक जिलों में भारी बारिश का 'येलो अलर्ट' है। राजधानी जयपुर में सुबह से ही रुक रुक हो रही बारिश से अनेक जगह जलभराव हो गया जिससे लोगों को परेशानी हुई। भारी बारिश को देखते हुए कई जिलों में विद्यालयों में छुट्टी कर दी गई है।

मौसम विभाग ने कहा कि राज्य में भारी बारिश अभी जारी रहेगी। बुधवार एवं बृहस्पतिवार को भरतपुर, जयपुर एवं अजमेर संभाग में कहीं-कहीं भारी और अतिभारी बारिश होने तथा बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं मध्यम से भारी बारिश होगी। बीकानेर, अजमेर, जयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ भागों में मध्यम से भारी बारिश का दौर एक अगस्त तक जारी रहने का अनुमान है। हालांकि राज्य में भारी बारिश की गतिविधियों में दो अगस्त से कमी होगी।

बारां जिले में बारिश का दौर जारी रहने से जनजीवन हुआ अस्त व्यस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारां। राजस्थान के बारां शहर एवं जिले भर में पांचवें दिन भी लगातार बारिश का दौर जारी रहने से कई मार्ग अवरुद्ध हो गए जिससे जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऐसे स्थानों पर पुलिस जवानों को तैनात किया गया है वहीं प्रशासन ने दो दिन ओर भारी बारिश का अलर्ट बताया है। जिले की बड़ी नदियां कालीसिंध, पार्वती, परवन में जलस्तर बढ़ गया है। जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर, पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंडासु स्वयं विभिन्न प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर हालात का जायजा ले रहे हैं। बुधवार को किशनगंज एवं शाहाबाद ब्लॉक के बालदा की पुलिया, दांता सहराना तथा ऊनी क्षेत्र में निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति का अवलोकन किया।

तोमर ने अधिकारियों से मौके पर ही चर्चा कर राहत कार्यों की समीक्षा कर त्वरित सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए वहीं जिले के बाढ़ प्रभावित एवं अति जलभराव वाले क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है जहां भोजन, पेयजल, राशन एवं आवास की समुचित व्यवस्था की गई है। खड़िया नदी घोघरा क्षेत्र में भी कलक्टर ने स्थानीय ग्रामीणों से संवाद किया।

उनकी समस्याएं सुनी। जिले की पुलिस सहित आपदा प्रबंधन, चिकित्सा, विद्युत, सार्वजनिक निर्माण, जलदाय एवं अन्य सहायता टीमें पूरी तरह अलर्ट मोड पर कार्यरत हैं।

मकान ढहने से एक व्यक्ति की मौत

कोटा। राजस्थान में कोटा के एक गांव में मंगलवार को बारिश के कारण कच्चा मकान ढहने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई और उनका बेटा घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान बुढ़ादीत थानाक्षेत्र के झाड़ गांव निवासी खेमराज मीणा (70) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, खेमराज अपने घर में चारपाई पर बैठे थे कि तभी अपराह्न करीब एक बजे मकान की एक दीवार उनके ऊपर गिर गई। थाना प्रभारी रघुवीर सिंह ने बताया कि पास में मौजूद खेमराज के बेटे धनराज पर सीमेंट की एक परत आ गिरी, जिससे वह मामूली रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि खेमराज को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

राजपाल ने लंबित प्रकरणों की जांच एसओपी के अनुरूप निर्धारित समय में पूरी करने के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम-2001 की धारा 55 एवं 57 के तहत लम्बित प्रकरणों की जांच इस संबंध में जारी की गई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुरूप निर्धारित समय में पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने बुधवार को यहां वीसी के माध्यम से लम्बित प्रकरणों की समीक्षा करने के दौरान यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यवाही में अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार समस्त प्रक्रियाएं पूरी की जाए, जिससे निर्बाध रूप से कार्यवाही सम्पन्न हो सके। उन्होंने इस संबंध में गत दिनों में अर्जित की गई उपलब्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए आगामी समय में भी इसी भावना के साथ कार्य करते रहने की आवश्यकता व्यक्त की।

श्रीमती राजपाल ने कहा कि इन धाराओं के तहत की जाने वाली कार्यवाही के जांच परिणामों की प्रति ऑनलाइन भी उपलब्ध होनी चाहिए। इसके लिए प्रधान कार्यालय के स्तर पर कवायद शुरू की जाए। उन्होंने कहा कि न्यायालय में लम्बित प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग एवं अतिरिक्त रजिस्ट्रार (खण्ड) स्तर पर इनकी समीक्षा की जाए। कोर्ट स्टे वाले प्रकरणों से स्टे हटवाने के प्रयास किए जाएं। पक्षकारों को नोटिस जारी करने, नोटिस की तामील कराने एवं रिकॉर्ड की तामील आदि कार्य समयावधि में पूरे किए जाएं। जन प्रकरणों में कार्यवाही सम्पन्न हो चुकी है, उनकी सूचना एवं जांच परिणाम आदि अविलम्ब प्रधान कार्यालय को भिजवाई जाए।

निरंतर बारिश के चलते अधिकारी रहें अलर्ट मोड पर, बचाव एवं राहत कार्यों में लाएं तेजी : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में हो रही निरंतर बारिश के चलते अधिकारी अलर्ट मोड पर रहें। अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ काम करते हुए राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जलभराव वाले स्थानों पर सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ काम करें जिससे किसी भी प्रकार की जनहानि को रोका जा सके।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर आपदा राहत प्रबंधन की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हो रही निरंतर बारिश के चलते अधिकतर बांध, नदियां, तालाब और जलाशय लबालब भर चुके हैं। ऐसे में अधिकारी इनके जल स्तर संबधी अपडेट लेते हुए निचले और बाढ़ संभावित इलाकों को सूचीबद्ध कर कार्मिक नियुक्त करें तथा उन क्षेत्रों की विशेष निगरानी रखें। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार चेतावनी बोर्ड लगाकर किसी भी तरह की दुर्घटना से रोका जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस और होमगॉर्ड्स के दल पर्याप्त संसाधनों के साथ अलर्ट रहें तथा आमजन की आवाजाही को ऐसे स्थानों पर निषेध किया जाए। साथ ही, रपट जैसे स्थानों पर पानी चलने के दौरान अस्थायी चौकी लगाकर वाहनों का आवागमन रोका जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नागरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रशासन पूरी सक्रियता से काम करे। शर्मा ने प्रदेशवासियों से अपील की कि बारिश के मौसम में विशेष सावधानी बरतें। भारी बारिश, आकाशीय बिजली एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के लिए भी पूरी तरह सतर्क रहें। बाढ़ग्रस्त मार्गों, पुलों और तेज बहाव वाले नदी-नालों को पार करने से बचें। साथ ही, प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन करें। किसी भी तरह की आपदा की स्थिति में तुरंत कंट्रोल रूम को जानकारी दें जिससे राहत कार्यों में तेजी आ सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में आपदा प्रबंधन एवं सहायता विभाग द्वारा राज्य स्तरीय हेल्पलाइन नंबर 1070 तथा 112 एवं जिला स्तरीय हेल्पलाइन नंबर 1077 का 24x7 संचालन किया जा रहा है। अधिकारी कंट्रोल रूम में आई शिकायतों पर त्वरित एक्शन लेते हुए आमजन को शीघ्र राहत पहुंचाएं। उन्होंने अधिकारियों को अतिवृष्टि से प्रभावित आमजन और पशुधन को सुरक्षित जगहों पर स्थानांतरित करने तथा वहां साफ पानी के साथ नियमित सफाई भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता और सेवाओं को सुचारू रखा जाए। जलभराव क्षेत्रों में प्रभावित लोगों को पेयजल-खाद्य सामग्री सहित जरूरी वस्तुओं की कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि जलभराव वाले स्थानों पर मौसमी बीमारियों की रोकथाम, दवाईयों की पर्याप्त आपूर्ति, अस्पतालों में आपातकालीन चिकित्सा सहायता जैसे कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें। मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि अधिकारी संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगों की सुरक्षा को विशेष प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि पंचायतीराज विभाग संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए संसाधनों की पर्याप्त आपूर्ति प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। शर्मा ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को निर्देश दिए कि आमजन के लिए पीने योग्य जल की उपलब्धता सुनिश्चित हो। उन्होंने अधिकारियों को सड़कों की मरम्मत, बाढ़ पूर्व चेतावनी प्रणाली को और अधिक सक्रिय करने, आमजन को विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से जागरूक करने, स्वयंसेवी संस्थाओं की सहभागिता बढ़ाने, नालों की सफाई एवं जल निकासी व्यवस्था जैसे कामों को प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने आपदा राहत की तैयारियों को लेकर जानकारी दी। इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

अनुसूचित जाति के उत्थान के लिए राज्य सरकार कृत-संकल्पित : अविनाश गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार अनुसूचित जाति के उत्थान के लिए कृत-संकल्पित है। सरकार की मंशा है कि सामाजिक न्याय की सभी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों को मिल सके।

गहलोत बुधवार को अनुसूचित जाति के प्रबुद्ध नागरिकों-प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर अनुसूचित जाति कल्याण से सम्बन्धित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रभावी नेतृत्व में समाज के अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याण के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

अनुसूचित जाति वर्ग का उत्थान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यालय अम्बेडकर भवन के सभागार में हुई बैठक में अनुसूचित जाति वर्ग के विकास की संकल्पना दशा और दिशा पर विस्तार से मंथन हुआ। बैठक में छात्रवृत्ति प्रक्रिया में सुधार, आक्षेपों का तुरंत निस्तारण, छात्रवृत्ति के लिए तय आय सीमा को बढ़ाने, छात्रवृत्ति राशि बढ़ाने, छात्रावासों के आधुनिकीकरण, अंबेडकर भवनों में पुस्तकालय खोलने, पंचतीर्थ योजना में खासकर युवाओं को शामिल करने, छात्रावासों में भोजन व्यवस्था बेहतर करने, छात्रावासों की मॉनिटरिंग करने, नए छात्रावास खोलने सहित अन्य विषय संस्थाओं द्वारा उठाए गए।

निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी ने कहा कि विभाग द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग को सभी योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। समाज के प्रबुद्धजनों से प्राप्त सुझावों पर अमल कर योजनाओं में आवश्यक सुधार किए जाएंगे।

इससे पहले प्रबुद्धजनों ने सामाजिक न्याय मंत्री का साफा पहनाकर स्वागत भी किया। बैठक में निजी सचिव रोहित पटेल, अतिरिक्त निदेशक सुंडाराम मीना, अशोक जांगिड़ सहित अंबेडकर मेमोरियल सोसाइटी के अध्यक्ष जसवंत संपतराम, राष्ट्रीय मेघवाल समाज संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बीएल भाटी, एससी-एसटी आरक्षण मंच के प्रदेश मंत्री प्रकाश कुमार मेघवाल, अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी के सलाहकार डॉ. एस के मोहनपुरिया सहित अखिल भारतीय खटीक समाज, अंबेडकर शिक्षा साहित्य, राष्ट्रीय शिक्षक संघ अंबेडकर, संपूर्ण भारतीय बैरवा विकास संस्था, अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण समिति, डॉक्टर अंबेडकर अनुसूचित जाति अधिकारी कर्मचारी शिक्षक संघ के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

डॉ. किरोड़ी ने किया सवाई माधोपुर में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा, पीड़ितों को दिलाया हरसंभव मदद का भरोसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सवाई माधोपुर जिले में हुई मूसलधार बारिश के बाद उत्पन्न बाढ़ जैसी स्थिति के मद्देनजर आपदा प्रबंधन एवं कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने बुधवार को सवाई माधोपुर पहुंचकर जिला मुख्यालय सहित जलभराव प्रभावित इलाकों का दौरा किया और हालात का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और स्थानीय निवासियों से संवाद कर उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने लटिया नाले के उफान से शहर के रैगर मोहल्ला, मिर्जा मोहल्ला, अंसारी मोहल्ला, प्रजापत मोहल्ला, खटीक मोहल्ला व अन्य कॉलोनियों में हुई जलभराव की गंभीर स्थिति पर चिंता जताई और लटिया नाले के बहाव क्षेत्र में बिना समुचित सर्वे के एलिवेटेड रोड स्वीकृत करने पर पिछली सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने कहा कि एलिवेटेड रोड निर्माण से नाले के प्राकृतिक बहाव में बाधा उत्पन्न हुई और बारिश के दौरान उसका प्रवाह कई स्थानों पर बदल गया, जिससे जलभराव की स्थिति और बिगड़ गई। उन्होंने बताया कि राहत एवं बचाव कार्य में प्रशासन के साथ सिविल डिफेंस, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें तत्परता से कार्य कर रही हैं। जलभराव वाले क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया है और जिन लोगों को घर छोड़ना पड़ा है, उनके लिए भोजन पैकेट्स वितरित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि बारिश से हुए नुकसान का त्वरित सर्वे कराया जाएगा और प्रभावितों को नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने एनएच-552 पर उघाड़ पुलिया के बहाव में टूटने की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे न केवल मध्यप्रदेश और राजस्थान का संपर्क टूटा है, बल्कि खंडार क्षेत्र के कई गांव जिला मुख्यालय से कट गए हैं।

उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को पुलिया का नया एस्टीमेंट तैयार करने तथा केंद्र सरकार से बजट पास करवाने और वन विभाग से एनओसी लेने की प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि यह पुलिया ब्लैक स्पॉट पर स्थित है और इस क्षेत्र में तीव्र मोड़ होने के कारण यहां नई और सुरक्षित संरचना आवश्यक है। इसके निर्माण के लिए केंद्र से मदद ली जाएगी। रामगढ़ बांध के भराव क्षेत्र में आज वर्षा कराने के लिए ड्रोन तकनीक का प्रयोग प्रस्तावित था, लेकिन मौसम विभाग की चेतावनी के चलते उसे फिलहाल स्थगित कर दिया गया है।

मुंबई साइबर क्राइम के नाम पर 80 लाख की ठगी का खुलासा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान साइबर क्राइम पुलिस ने 80 लाख रुपए की एक बड़ी साइबर ठगी का खुलासा करते हुए मुख्य खाताधारक को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक (साइबर क्राइम) शांतनु कुमार सिंह ने बताया कि साइबर ठगों ने अजमेर की 82 वर्षीय एक बुजुर्ग महिला को निशाना बनाया और 'डिजिटल अरेस्ट' का डर दिखाकर उनसे 80 लाख की भारी भरकम राशि ऐंठ ली। इस हाई-प्रोफाइल मामले में राजस्थान साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन ने मुख्य खाताधारक को गिरफ्तार कर लिया है, जिसके बैंक खाते में ठगी की गई सारी रकम ट्रांसफर की गई थी।

सिंह ने बताया कि यह घटना 23 नवंबर से 30 नवंबर 2024 के बीच हुई। ठगों ने व्हाट्सएप वीडियो कॉल के जरिए महिला से संपर्क साधा और खुद को मुंबई साइबर क्राइम का अधिकारी बताया। उन्होंने महिला को डिजिटल रूप से गिरफ्तार होने का झांसा दिया और कानून की कार्रवाई से बचने के नाम पर उनसे 80 लाख अपने बैंक खाते में ट्रांसफर करवा लिए। प्रकरण अजमेर में दर्ज होने के बाद इसे साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन राजस्थान जयपुर को हस्तांतरित कर दिया गया जिसके बाद साइबर थाने की विशेष टीम ने ठगी गई राशि के लेन-देन का गहन विश्लेषण किया।

जांच में पाया गया कि ठगी की गई पूरी 80 लाख रुपए की राशि एक ही बैंक खाते में स्थानांतरित की गई थी। यह खाता सोवन मंडल (30) निवासी धूलिया हावड़ा पश्चिम बंगाल का था। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सोवन मंडल को गिरफ्तार कर लिया है। उससे पूछताछ जारी है। उन्होंने बताया कि जांच में खुलासा हुआ है कि सोवन मंडल के खाते से यह 80 लाख की राशि आगे 150 से अधिक अन्य खातों में ट्रांसफर की गई थी। सभी संदिग्ध खाताधारकों की पहचान की जा रही है। विश्लेषण से यह भी सामने आया है कि ठगी की गई रकम को विभिन्न खातों से होते हुए नकद निकासी के माध्यम से यूएसडीटी क्रिप्टोकरेंसी में बदला जा रहा था, जिससे पैसे को ट्रैक करना मुश्किल हो जाए। इस मामले में पहले भी 18 अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

देशहित में नहीं है ध्रुवीकरण की राजनीति : अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को कहा कि ध्रुवीकरण की राजनीति देशहित में नहीं है। वे बीकानेर में मीडिया से बात कर रहे थे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, देश किस दिशा में जा रहा है किसी को नहीं मालूम, किस दिशा में जाएगा, कोई नहीं जानता... क्योंकि जिस प्रकार से राजनीति ध्रुवीकरण की हुई है ये थोड़े समय में तो अच्छी लग सकती है पर दीर्घकाल में देश हित में नहीं है।' उन्होंने कहा कि भारत बहुत बड़ा मुल्क है जहां हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, फारसी व जैन सब रहते हैं और यहां अलग अलग भाषाएं हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नीतियों ने, कार्यक्रमों ने, संविधान की मूल भावना ने इस देश को एकजुट व अखंड रखा। उन्होंने देश के विकास में पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के योगदान और इंदिरा गांधी व राजीव गांधी के बलिदान का जिक्र करते हुए कि प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी इनका कभी नाम नहीं लेते। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तथा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की हालिया दिल्ली यात्रा संबंधी सवाल को गहलोत ने यह कहते हुए टाल दिया किया यह पार्टी भाजपा के अंदरूनी मामले हैं और जबसे (उपराष्ट्रपति जगदीप) धनखड़ से जुड़ा मामला हुआ है तब से सरकार खुद का बचाव करने में जुट गई है। उन्होंने कहा कि धनखड़ ने खुद इस्तीफा दिया या इस्तीफा दिलवाया गया ये तमाम बातें रहस्य बनी हुई हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर राज्यसभा में चर्चा का जवाब प्रधानमंत्री से नहीं मिलने पर विपक्ष का बहिर्गमन

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में बुधवार को कांग्रेस सहित विपक्ष के सदस्यों ने ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जवाब नहीं दिए जाने को सदन का अपमान बताया और इसके विरोध में सदन से बहिर्गमन किया। उच्च सदन में पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर करीब 16 घंटे तक चली विशेष चर्चा का जवाब देने के लिए गृह मंत्री अमित शाह जब खड़े हुए तो विपक्षी सदस्यों ने इस बात को लेकर हंगामा और नारेबाजी शुरू कर दी कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक सदन में जवाब दिया तो वह उच्च सदन में जवाब देने के लिए क्यों नहीं आये? शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री यहां अपने कार्यालय में ही हैं। उन्होंने कहा, मेरे से जब निबट रहा है तो काहे को प्रधानमंत्री जी को बुला रहे हो। और तकलीफ होगी। हंगामे के बीच नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि 16 घंटे की चर्चा के बाद सभी सदस्यों को उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री चर्चा में उठाये गए सवालों का जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री संसद में रहकर यहां नहीं आते हैं तो यह सदन का अपमान है। इस पर उपसभापति हरिवंश ने कहा कि उन्होंने कार्य मंत्रणा समिति में पहले ही यह बता दिया था कि चर्चा में प्रधानमंत्री हस्तक्षेप नहीं करेंगे और गृह मंत्री जवाब देंगे। इसके बाद विपक्षी सदस्यों ने सदन से वाक आउट किया।

'स्वरोजगार से स्वावलंबन की तरफ बढ़ते उप्र के युवा, एमएसएमई महत्वपूर्ण'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को युवाओं के स्वरोजगार पर बल देने के साथ ही पिछली राज्य सरकारों पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र की अनदेखी करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने यहां 'युवा कॉन्क्लेव' का उद्घाटन करने के बाद कहा, राज्य में बड़े पैमाने पर एमएसएमई इकाइयां थीं और पहले से ही हर जिले और हर कस्बे के आसपास उनके क्लस्टर मौजूद थे लेकिन पिछली सरकार इस क्षेत्र के महत्व को नहीं समझ पाई। उन्होंने कहा, जिनकी सोच सिर्फ अपने परिवारों तक सीमित थी और जिन्होंने सत्ता हथियाने के लिए समाज को बांटने पर जोर दिया, वे राज्य की सबसे बड़ी युवा आबादी के भविष्य के बारे में कैसे सोच सकते हैं।

आदित्यनाथ ने किसी पार्टी का नाम लिए बगैर यह आरोप लगाया कि पिछली सरकारें राज्य के एमएसएमई उद्योग को बंद करने की साजिश का हिस्सा थीं। उन्होंने कहा, पिछली सरकार की गुंडागर्दी, भ्रष्टाचार और बेईमानी ने लोगों को पलायन करने पर मजबूर कर दिया था।

आदित्यनाथ ने कहा कि बड़े पैमाने के उद्योग बंद हो रहे हैं और कारीगर परेशान होकर दूसरे काम की तलाश में लगे हैं।

मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की पहल का जिक्र करते हुए कहा, वर्ष 2017 में सत्ता में आने के बाद हमने एक समिति बनाई और 'एक ज़िला एक उत्पाद' (ओडीओपी) योजना शुरू की। आज ओडीओपी योजना पूरे देश में एक ब्रांड बन गई है।

इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत संचालित हो रही 'सीएम युवा योजना' को प्रदेश के लाखों युवाओं के लिए 'स्वरोजगार से स्वावलंबन तक की यात्रा' का माध्यम बताया।

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बुधवार को राज्य के बाढ़ प्रभावित जिलों का हवाई सर्वेक्षण किया और तीन जिलों में प्रभावित लोगों के लिए नि:शुल्क रसोई सुविधा को सात दिन के लिए बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने दावा किया कि आपदा में किसी की जान नहीं गई।

मुख्यमंत्री के साथ राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी, उच्च शिक्षा मंत्री सूर्यवंशी सुरज और विशेष राहत आयुक्त देओरंजन कुमार सिंह भी मौजूद थे। उन्होंने बालासोर, भद्रक, जाजपुर और क्योंझर जिलों के जलमग्न गांवों का हवाई सर्वेक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, बाढ़ की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और राहत कार्य के बाद की गतिविधियां शुरू करने के निर्देश दिए जा चुके हैं।

बालासोर, भद्रक और जाजपुर जिलों के आठ ब्लॉक की 81 बस्तियों के करीब 30,000 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने बताया कि निचले इलाकों से 5,869 लोगों को निकाला गया है और 10,000 लोगों को दो वक्त का भोजन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह सुविधा अब सात दिन और बढ़ा दी गई है।

देशभर में 452 रेलवे स्टेशनों पर हैं शिशु आहार कक्ष : रेल मंत्री वैष्णव

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बुधवार को संसद में कहा कि वर्तमान में देशभर में 452 रेलवे स्टेशनों पर शिशु आहार कक्ष उपलब्ध हैं, जिनमें महाराष्ट्र के 57 और पश्चिम बंगाल के 20 स्टेशन शामिल हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल सहित देश भर के रेलवे स्टेशनों पर मौजूद शिशु आहार कक्ष का विवरण तथा उनके उचित रखरखाव, स्वच्छता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा उठाये गए या उठाए जा रहे कदमों के बारे में सांसदों ने सरकार से जानकारी मांगी थी। मंत्री ने बताया कि रेलवे स्टेशनों पर शिशु आहार कक्ष सुविधा का प्रावधान एक सतत प्रक्रिया है जो आवश्यकता, यात्रियों की संख्या, धन की उपलब्धता आदि पर निर्भर है। उन्होंने यह जानकारी दी कि वर्तमान में, देश भर के 452 रेलवे स्टेशनों पर शिशु आहार कक्ष उपलब्ध हैं, जिनमें महाराष्ट्र राज्य के 57 और पश्चिम बंगाल राज्य के 20 स्टेशन शामिल हैं।

मोदी ने पाक से संघर्ष के दौरान हस्तक्षेप के ट्रंप के दावे को खारिज करने का अवसर गंवा दिया : खेड़ा

पटना/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने बुधवार को दावा किया कि पाकिस्तान के साथ सैन्य गतिरोध के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप के दावे को खारिज करने का ''जो मौका राहुल गांधी ने दिया था, उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर हुई बहस के दौरान 'गंवा दिया'। कांग्रेस नेता ने पटना में 'पीटीआई वीडियो' से बात करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के पास पाकिस्तान के साथ सैन्य गतिरोध के दौरान डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप के दावे को खारिज करने का सुनहरा मौका था। यह मौका हमारे नेता राहुल गांधी ने लोकसभा में प्रधानमंत्री को दिया था। प्रधानमंत्री ने इस मौके को गंवा दिया। खेड़ा ने दावा किया, हमारे नेता (राहुल गांधी) ने सिर्फ एक सवाल पूछा था, लेकिन जिस तरह से प्रधानमंत्री मोदी ने जवाब दिया, उससे पता चलता है कि उनके पास कोई जवाब नहीं था।

साल 2018 के बुलंदशहर हिंसा मामले में 38 लोग दोषी करार

बुलंदशहर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले की एक अदालत ने स्याना इलाके में 2018 में हुई हिंसा के मामले में बुधवार को 38 आरोपियों को दोषी करार दिया। एक वकील ने यह जानकारी दी। इस हिंसा के दौरान थाना प्रभारी (एसएचओ) सुबोध कुमार सिंह और एक स्थानीय युवक सुमित की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे)-12 गोपाल ने पांच आरोपियों को सिंह की हत्या का दोषी पाया, जबकि शेष 33 को तत्कालीन भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया। वकील ने बताया कि अदालत ने सजा सुनाने के लिए एक अगस्त की तारीख तय की है। यह घटना तीन दिसंबर, 2018 को बुलंदशहर जिले के स्याना इलाके में हुई थी, जब कथित गोहत्या को लेकर हिंसा भड़क उठी थी। अशांति के दौरान, एसएचओ सुबोध कुमार सिंह और 20 वर्षीय सुमित को गोली लगने से गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उनकी मौत हो गई।

विशेष लोक अभियोजक यशपाल सिंह राघव ने बताया कि आरोपपत्र में नामजद 44 लोगों में से 38 के खिलाफ आरोप सिद्ध हो गए हैं। एक आरोपी पर किशोर न्यायालय में मुकदमा जारी है क्योंकि वह घटना के समय नाबालिग था। मुकदमे के दौरान, पांच आरोपियों की मृत्यु हो गई।

संप्रग सरकार ने राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं होने के कारण आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में बुधवार को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि 2004 से 2014 के बीच 10 साल की अवधि में उसने आतंकवादी घटनाओं के बाद पाकिस्तान के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की क्योंकि उसमें राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं थी। इसके साथ ही नड्डा ने कांग्रेस नीत सरकारों पर पाकिस्तान के प्रति तुष्टिकरण की नीति अपनाने का आरोप लगाया।

राज्यसभा में सदन के नेता नड्डा ने कहा कि राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं होने के कारण तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की लेकिन अब देश में राजनीतिक इच्छाशक्ति से भरी हुई नरेन्द्र मोदी सरकार है। उन्होंने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक या आपेशन सिंदूर से स्पष्ट होता है कि सरकार की इच्छाशक्ति से कुछ भी संभव है। उन्होंने कहा कि सेना पहले भी थी और आज भी है लेकिन उसे आदेश राजनीतिक नेतृत्व को देना होता है। नड्डा उच्च सदन में ''पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा'' में भाग ले रहे थे। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस पाकिस्तान के साथ संघर्षविराम के लिए तैयार होने को लेकर भाजपा नीत केंद्र सरकार पर समर्पण करने का आरोप लगा रही है लेकिन उसे पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए।

अरुणाचल बागवानी के क्षेत्र में एक शक्तिशाली केंद्र के रूप में उभरा : खांडू

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने बुधवार को राज्य के बागवानी क्षेत्र के परिवर्तनकारी विकास की सराहना की और कई प्रमुख उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी जिनसे राज्य देश में कीवी, कीनू और बड़ी इलायची के शीर्ष उत्पादकों में शामिल हो गया है। उन्होंने कृषि के लिए राज्य की लंबी अवधि की योजना बागवानी नीति 202535 के रूप में पेश की।

खांडू ने राज्य की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, दाम्बुक की पहाड़ियों से लेकर जीरो के बागानों तक हमारे किसान यह साबित कर रहे हैं कि जब दूरदर्शिता और कड़ी मेहनत का मेल हो तो कुछ भी संभव हो सकता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि अरुणाचल प्रदेश भारत में कीवी का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य बन गया है, जहां उत्पादन 7,000 मीट्रिक टन से अधिक है तथा यह देश का पहला राज्य है जिसे इस फल के लिए जैविक प्रमाणीकरण प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि कीनू का 84,000 मीट्रिक टन उत्पादन हुआ है और राज्य ने राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त किया है। राज्य 4,467 मीट्रिक टन की उपज के साथ बड़ी इलायची उत्पादन में भी पूर्वोत्तर क्षेत्र में अग्रणी है। निर्यात में एक बड़ी सफलता के रूप में दाम्बुक में उगाए कीनू अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पहुंच गए हैं।

लालू यादव ने तैयार किया गोरखनाथी परंपरा पर आधारित लोक कथाओं का संकलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वरिष्ठ राजनेता लालू प्रसाद यादव अब एक नए अवतार में अपने प्रशंसकों के सामने आए हैं। उन्होंने लोक कथाओं, प्राचीन गाथाओं और रहस्यमय किंवदंतियों को एक किताब की शक्ल में नए रंग रूप में पेश किया है।

इसमें उन्होंने लेखक नलिन वर्मा के साथ मिलकर चार कालातीत लोक कथाओं 'सोरठी बृजभार, भर्तृहरि-पिंगला, हीर रांझा' और 'सारंगा-सदाबृज' को नया आकार दिया है।

11वीं शताब्दी के श्रद्धेय रहस्यवादी योगी गोरखनाथ, जिनके समावेशी धार्मिक दर्शन ने भारत में सूफी और भक्ति आंदोलनों को गहराई से प्रभावित किया, उनके जीवन और शिक्षाओं पर आधारित, प्रेम और संत गोरखनाथ की कथाएं' में प्रस्तुत ये कहानियां कभी गोरखनाथ संप्रदाय के योगियों द्वारा सारंगी के उदास स्वरों के साथ गाई जाती थीं। इस नए संकलन का प्रकाशन पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया (पीआरएचआई) द्वारा किया गया है।

इस पुस्तक की भूमिका में लालू यादव ने लिखा है, बीते कई वर्षों से, ये गाथागीत लोकगीतकारों और लोक रंगमंच कलाकारों के लिए जीविका का स्रोत बन गए हैं। ये कलाकार विवाह समारोहों और धार्मिक आयोजनों में अपनी प्रस्तुतियां देते हैं। मुझे इन कहानियों का बहुत शौक है। वर्ष 1990 में जब मैं बिहार का मुख्यमंत्री बना, तो मैंने लोकगीतकारों की प्रस्तुतियां का आयोजन करवाया।

चुनौतियों से जूझ रहा है भारतीय चाय उद्योग : आईटीए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। चाय बागान मालिकों के एक प्रमुख संगठन, भारतीय चाय संघ (आईटीए) ने बुधवार को कहा कि चाय उद्योग कई चुनौतियों से जूझ रहा है और वर्ष 2025 में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है।

आईटीए ने बयान में कहा कि उद्योग को उत्पादन में कमी, मूल्य प्राप्ति में गिरावट और आयात की आमद जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्ष 2024 में चाय उत्पादन में उल्लेखनीय कमी देखी गई, और देश भर में उत्पादन वर्ष 2023 की तुलना में 10.9 करोड़ किलोग्राम कम हो गया। आईटीए ने कहा कि उत्पादन में यह कमी प्रतिकूल मौसम और बागानों में कीटों के हमले के कारण हुई।

संघ के अनुसार, वर्ष 2025 का खराब उत्पादन स्तर पश्चिम बंगाल और असम के बड़े उत्पादकों के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। दार्जिलिंग चाय उद्योग भी चिंता का एक प्रमुख कारण बना हुआ है, जहां उत्पादन वर्ष 2024 के स्तर से 10.34 प्रतिशत पीछे है।

आईटीए ने कहा कि 2025 में दैनिक तापमान में औसतन दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि और कम वर्षा के कारण शुष्क परिस्थितियां पैदा हुई हैं। इससे दोनों प्रमुख उत्पादक राज्यों में उत्पादन में गिरावट के रूप में दबाव पड़ा है। एसोसिएशन ने कहा कि जुलाई की फसल भी कमजोर रहने की आशंका है, जिसमें वर्ष 2024 की तुलना में 15 से 20 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान है। उत्पादन में कमी की पृष्ठभूमि में, अप्रैल से जुलाई के अंत तक चाय की नीलामी की कीमतों में भी गिरावट देखी गई है, जिससे अंशधारकों के बीच चिंताएं बढ़ गई हैं।

आईटीए ने कहा कि विशेष रूप से, सीटीसी और डस्ट चाय की नीलामी कीमतों में असम में लगभग सात प्रतिशत और पश्चिम बंगाल के दुआर्स/तराई में 9.5 प्रतिशत की गिरावट आई है।

बयान में कहा गया है कि 2024 और 2025 की शुरुआत में चाय के आयात में भारी वृद्धि ने भी कीमतों में गिरावट में योगदान दिया है। वर्ष 2024 में कुल आयात वर्ष 2023 के 245.3 लाख किलोग्राम से 82 प्रतिशत बढ़कर 445.3 लाख किलोग्राम हो गया, जिसमें नेपाल और केन्या का योगदान 74 प्रतिशत रहा। वर्ष 2025 में जनवरी से अप्रैल के दौरान कुल चाय का निर्यात 857.7 लाख किलोग्राम रहा, जो वर्ष 2024 की इसी अवधि की तुलना में मामूली कम है।

अगर त्रिपुरा में कानून-व्यवस्था के हालात नहीं सुधरे, तो गृह मंत्री का इस्तीफा मांगेंगे : कांग्रेस

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष आशीष कुमार साहा ने बुधवार को कहा कि अगर राज्य की कानून-व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो पार्टी गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग करेगी।

मुख्यमंत्री माणिक साहा वर्तमान में गृह विभाग का कार्यभार संभाल रहे हैं।

आशीष साहा ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि त्रिपुरा में कानून-व्यवस्था की स्थिति बदतर है और राज्य भर में आपराधिक तत्व बेरोकटोक सक्रिय हैं। उन्होंने कहा, हत्या से लेकर बलात्कार, मादक पदार्थ की समस्या से लेकर माफिया राज और सत्तारूढ़ सहयोगियों के बीच आपसी कलह तक, लोग अराजकता के कारण भयभीत और निराश हैं। कांग्रेस नेता ने सरकार पर विपक्षी नेताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहने का आरोप लगाया और दावा किया कि कांग्रेस विधायक गोपाल चंद्र रॉय को उनके गृह निर्वाचन क्षेत्र में एक जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान परेशान किया गया।

युवक की मौत के बाद 'हिट एंड रन' मामले में असमिया फिल्म अभिनेत्री गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असमिया अभिनेत्री नंदिनी कश्यप को बुधवार को 'हिट एंड रन' मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। इस दुर्घटना में 21 वर्षीय युवक की मौत हो गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। हाल ही में बॉक्स ऑफिस पर बेहद सफल रही फिल्म 'रुद्र' में नंदनी ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

गुवाहाटी पुलिस उपायुक्त (यातायात) जयंत सारथी बोरा ने 'पीटीआई भाषा' को बताया कि अभिनेत्री को मंगलवार को हिरासत में लिया गया था और देर रात करीब डेढ़ बजे गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा, हमने उन्हें अदालत में पेश किया है और पांच दिन की पुलिस रिमांड मांगी है। अब हम अदालत के आदेश का इंतजार कर रहे हैं। बोराह ने बताया कि दुर्घटना शुक्रवार तड़के दक्खिनगांव इलाके में हुई, जब एक एसयूवी जिसे कथित तौर पर अभिनेत्री चला रही थी, ने एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी। उन्होंने कहा, दोपहिया वाहन चला रहे समीउल हक गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) ले जाया गया। वहां से उन्हें अपोलो अस्पताल ले जाया गया।

डब्ल्यूसीएल सेमीफाइनल: भारत चैंपियन्स ने पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बर्मिंघम/भाषा। भारत ने बृहस्पतिवार को यहां विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) के सेमीफाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया। टीम ने पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले के बाद पड़ोसी देश के साथ किसी भी द्विपक्षीय खेल संबंध के खिलाफ देश के रुख का हवाला दिया है।

शिखर धवन, इरफान पठान, हरभजन सिंह, युवराज सिंह, सुरेश रैना जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की मौजूदगी वाली भारतीय टीम पहले ही आतंकवादी हमले और फिर भारत द्वारा शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेलने की इच्छा जता चुकी है। भारत ने टूर्नामेंट के पहले ग्रुप चरण मुकाबले में भी इसी तरह का रुख अपनाया था। ऑपरेशन सिंदूर के बाद उस मैच में भारत के कई शीर्ष पूर्व क्रिकेटरों ने पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया था। भारत को बृहस्पतिवार को एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड पर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पाकिस्तान से खेलना था।

लीग के शीर्ष प्रायोजक ईजमाईट्रिप ने भारत-पाक मैच पर अपनी स्थिति पहले ही स्पष्ट कर दी है। इस ट्रैवल टेक कंपनी के सह संस्थापक निशांत पिट्टी ने अपने 'एक्स' हैंडल पर लिखा, हम विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में टीम इंडिया (इंडिया चैंपियन्स) के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हैं। आपने देश को गौरवांवित किया है। हालांकि पाकिस्तान के खिलाफ आगामी सेमीफाइनल कोई सामान्य मैच नहीं है। आतंकवाद और क्रिकेट साथ-साथ नहीं चल सकते। उन्होंने कहा, ईजमाईट्रिप में हम भारत के साथ खड़े हैं। हम किसी ऐसे टूर्नामेंट का समर्थन नहीं कर सकते जो आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश के साथ रिश्तों को सामान्य करने का प्रयास करता है। भारत के लोगों ने इस बारे में बात की है और हमने उनकी बात सुनी है। ईजमाईट्रिप डब्ल्यूसीएल में भारत बनाम पाकिस्तान मैच के साथ नहीं जुड़ा है।

पिट्टी ने कहा, कुछ चीजें खेल से बड़ी हैं। देश सबसे पहले, व्यवसाय हमेशा बाद में।

ओवल क्यूरेटर के साथ बहस पर पार्थिव ने कहा, गंभीर के पास नाराजगी जताने का कारण था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने बुधवार को कहा कि द ओवल में सरे के मैदानकर्मियों के प्रमुख ली फोर्टिस के साथ तीखी बहस के बाद भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर को नाराजगी जताने का पूरा अधिकार था।

मंगलवार को जब भारतीय टीम पांचवें और अंतिम टेस्ट से पहले ओवल में अभ्यास कर रही थी तब फोर्टिस ने गंभीर को पिच से ढाई मीटर दूर रहने को कहा जिसके बाद गंभीर और उनके बीच तीखी बहस हुई है। पार्थिव ने यहां 'पीटीआई वीडियोज' से कहा, यह दुर्भाग्यशाली है कि इस तरह की घटना हुई। लेकिन गौतम को नाराजगी जताने का अधिकार है। एक क्यूरेटर के रूप में बेशक आप किसी को पिच का मुआयना करने से नहीं रोक सकते। उन्होंने कहा, यही मुख्य कोच की भूमिका है। आप और क्या उम्मीद कर रहे हैं? कोई मुख्य कोच जाकर पिच का निरीक्षण नहीं करेगा... यह बिल्कुल भी संभव नहीं है।

पार्थिव ने आगे कहा, यह सब प्रसारित हो रहा था। यह इंग्लैंड का अनुचित व्यवहार है जो बिल्कुल भी अच्छा नहीं है।

मंगलवार को गंभीर को फोर्टिस से बहस करते हुए देखा गया। गंभीर ने अंगुली से इशारा करते हुए उन्हें कहा, आप हमारे में से किसी को नहीं बता सकते कि हमें क्या करना है, आपको हमें बताने का कोई अधिकार नहीं है, आप सिर्फ एक मैदानकर्मी हैं, इससे अधिक कुछ नहीं।

फोर्टिस ने जवाब दिया, मुझे इसकी शिकायत करनी होगी।

सुविचार

हवाओं ने मुझे निराश करने की कई बार कोशिश की, लेकिन मैं वह पक्षी बन गया जिसने ऊँचाई पर उड़ान भरना सही समझा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुधार के लिए हादसे का इंतजार!

राजस्थान के झालावाड़ जिले में एक सरकारी स्कूल में हुए हादसे के बाद सोशल मीडिया पर ऐसे कई स्कूलों की तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जिनकी इमारतें जर्जर हो चुकी हैं। किसी की छत गिरने की आशंका है तो किसी की दीवारें ढहने का डर है। हादसों को न्योता दे रहीं इन इमारतों का सर्वेक्षण कराया जा रहा है। जो इमारतें असुरक्षित पाई जाएंगी, उन पर लाल रंग से निशान लगाकर उन्हें बंद किया जाएगा। अन्य राज्यों में भी सरकारी स्कूलों की इमारतों का मुद्दा चर्चा में है। सवाल है- यह कितने दिनों तक चर्चा में रहेगा? जैसे ही कोई नया मुद्दा आएगा, लोग इसे भूल जाएंगे। क्या वजह है कि हम कहीं सुधार पर सोच-विचार करने के लिए किसी हादसे का इंतजार करते हैं? अगर सरकारी स्कूलों की हालत की ओर समय रहते ध्यान दिया जाता तो झालावाड़ जिले में हुए हादसे को टाला जा सकता था। पिछले कुछ दशकों में सरकारी स्कूलों की जिस तरह घोर उपेक्षा की गई, उसके परिणाम शुभ नहीं होंगे। यह साफ दिखाई दे रहा है। चाहे इन स्कूलों की इमारतों का सवाल हो या पढ़ाई की गुणवत्ता का, अरबों रुपए खर्च करने के बावजूद यह हालत है! ऐसा क्यों? नेतागण तो गांवों में वोट मांगने आते हैं। क्या वे अपने बच्चों को इन सरकारी स्कूलों में पढ़ने के लिए भेजते हैं? कितने सरकारी अधिकारियों के बच्चे इन स्कूलों में पढ़ते हैं? कितने सरकारी शिक्षकों के बच्चे इन स्कूलों में पढ़ने आते हैं? इन सवालों के जवाबों से पता चल जाएगा कि सरकारी स्कूलों की हालत कैसी हो गई है! गांवों में मुख्यत: गरीब, मजदूर और किसान के बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं। सरकारों को चाहिए कि वे इतना तो सुनिश्चित कर दें कि किसी बच्चे को वहां जान गंवानी न पड़े।

प्राय: लोग शिकायत करते हैं कि उन्होंने कई बार सरकारी अधिकारियों, विधायकों, सांसदों, मंत्रियों तक यह बात पहुंचाई कि स्कूल इमारत का एक हिस्सा या वह पूरी ही ठीक हालत में नहीं है, किसी समय कुछ भी हो सकता है, लेकिन उनकी बात अनसुनी कर दी गई। वे सोशल मीडिया पर स्कूल इमारत की तस्वीर डाल देते हैं। फिर भी कुछ नहीं होता। किसी स्कूल का दरवाजा खराब है। कोई स्कूल मूलभूत सुविधाओं को तरसता नजर आता है। वहां पढ़ाते समय शिक्षकों को डर लगता है कि क्या मालूम कब कोई ईंट, पत्थर, प्लास्टर आदि उनके सिर पर आ गिरे! करें तो क्या करें? ऐसे मामलों में सबसे बड़ी जिम्मेदारी तो सरकारों की ही बनती है। वे हादसों का इंतजार न करें, तुरंत जरूरी कदम उठाएं। अगर लोगों द्वारा काफी शिकायतों के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही है तो वे आगे बढ़कर खुद जिम्मेदारी लें। हर घर से थोड़ा-थोड़ा आर्थिक सहयोग लें। शिक्षक भी सहयोग करें। ये स्कूल आपके हैं। इन्हें सिर्फ सरकारों और अधिकारियों के भरोसे न छोड़ें। अगर ज्यादा संसाधनों की जरूरत पड़े तो क्षेत्र में कुछ साल के लिए ब्याह-शादियों में होने वाली बड़ी धूमधाम के खर्चों में कटौती कर दें। जहां कम खर्च में काम चल सकता है, वहां कुछ मितव्ययता बरत लें। यह पूरी रकम स्कूलों की दशा सुधारने में लगाएं। इस प्रयोग को दो-तीन साल करके देखें, सरकारी स्कूलों की इमारतें चमक उठेंगी। इस तरह वहां अन्य सुविधाएं भी जुटाई जा सकती हैं। हमारे पूर्वजों ने एकजुट होकर आज़ादी की लड़ाई लड़ी थी। हमने एकजुट होकर कोरोना महामारी को हरा दिया। एकता में बहुत बड़ी ताकत होती है। अगर लोग सरकारी स्कूलों के लिए ऐसी इच्छाशक्ति दिखाएंगे तो सरकारों को उनकी बात सुननी पड़ेगी।

ट्वीटर टॉक

एक सदी और 27 वर्षों बाद भगवान बुद्ध की पिपरहवा अस्थियाँ अपनी वास्तविक भूमि में लौट आई हैं। यह पवित्र पुनर्प्राप्ति हमारे प्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की उस भावना से भरे प्रयास का परिणाम है, जिसे शब्द देते हुए वे कह चुके हैं भारत भगवान बुद्ध का देश है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं पाथेय कण के पूर्व संपादक आदरणीय श्री माणकचंद जी भाईसाहब के देहावसान का दुखद समाचार प्राप्त हुआ। उनका सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा, विचार प्रेरणा, संगठन निर्माण और समाज के कल्याण के लिए समर्पित रहा।

-दीया कुमारी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं पाथेय कण के संरक्षक आदरणीय श्री माणकचंद जी भाईसाहब का निधन अत्यंत दु:खद हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिजनों को यह दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करें।

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

शब्दों का चरित्र

एक बार महान रूसी लेखक और दार्शनिक लियो टॉलस्टॉय कुछ सप्ताह के लिए एक कस्बे में निवास कर रहे थे। विश्वभर में अपनी ख्याति के बावजूद वे अत्यंत सादगीपूर्ण जीवन जीते थे। वे स्वयं पैदल जाकर ब्रेड खरीदते, अपने कपड़े खुद धोते और उन्हें पास के एक विशाल वृक्ष की शाखा पर सूखने के लिए डालते। उसी कस्बे में कई बाग-बगीचों के मालिक और धनवान सेठ भी रहते थे। एक सुबह टॉलस्टॉय अपनी आदत के अनुसार सैर पर निकले। बहुत से लोग जो उन्हें पहचानते थे, उन्हें देखकर मुस्कुरा रहे थे। कुछ जिज्ञासु लोग सलाह लेने के लिए भी उनके पास आ गए। टॉलस्टॉय हर किसी से एक ही बात दोहराते रहे, 'अपनी भाषा और बोली को सुधारो, सारा जीवन सुधर जाएगा।' उसी दौरान एक धनवान व्यक्ति का अचानक पैर फिसल गया। इस पर उसने अपने नौकर को कुछ ही क्षणों में दस अपशब्द कह डाले। उसकी कड़वी और अपमानजनक भाषा सुनकर सभी का मन खिन्न हो गया। टॉलस्टॉय ने शांत भाव से गर्दन हिलाई और कहा'मैं यही तो समझाता हूं। बोली ही सच्चा परिधान है। मुंह से निकला हर शब्द हमारे भीतर की सच्चाई को प्रकट कर देता है।'

सामयिक

एआई का विस्तार या नौकरी का संकुचन : बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

भारत जैसे युवाओं वाले और उभरती अर्थव्यवस्था वाले देश में तकनीकी विकास के प्रति उत्साह हमेशा गहरा रहा है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप क्रांति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी तकनीकें समाज, राष्ट्र और अर्थव्यवस्था में तीव्र बदलाव की सारथि बनी हैं। हर वर्ग और क्षेत्र ने इस परिवर्तन को आशा एवं सकारात्मकता के साथ अपनाया है, इस उम्मीद में कि तकनीकी तरक्की के साथ रोज़गार के नए अवसर भी सृजित होंगे। लेकिन हाल ही में आईटी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) द्वारा 12,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा ने इस उम्मीद पर पानी फेर दिया और इसे बड़ा झटका दिया है। निस्संदेह, छंटनी का यह फैसला आईटी क्षेत्र में आसन्न संकट की आहट को ही दर्शाता है। छंटनी बाबत टीसीएस की दलील है कि इन नौकरियों में कटौती कौशल की कमी और अपने विकसित होते व्यावसायिक मॉडल में कुछ कर्मचारियों को फिर से नियुक्त करने में असमर्थता के चलते की गई है। हालांकि, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का दावा है कि इस कदम के पीछे एआई से प्रेरित उत्पादकता वृद्धि नहीं है। यह संख्या कंपनी के कुल कार्यबल का लगभग 2 प्रतिशत है, और मुख्यतः मध्यम और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्रभावित करेगी।

एआई और ऑटोमेशन केवल तकनीक नहीं हैं, वे कार्य संस्कृति, संगठन संरचना और मानव संसाधन नीति को मूल रूप से बदल रहे हैं। कई रिपोर्टों के अनुसार, एआई से प्रेरित उत्पादकता और लागत में कटौती की प्रवृत्ति बढ़ रही है। उदाहरण के तौर पर, एमेजोन ने 30,000 सॉफ्टवेयर एप्लिकेशनों को एआई की मदद से मात्र छह महीनों में अपग्रेड किया, जो कार्य सामान्यतः डेवलपर्स को एक वर्ष लगता। इससे कंपनी को लगभग 250 मिलियन डॉलर की बचत हुई। इसी प्रकार, माइक्रोसोफ्ट और मेटा जैसी कंपनियों में कोडिंग का 20 से 50 प्रतिशत कार्य एआई से कराया जा रहा है। भारत में एआई का प्रसार अभी अमेरिका या यूरोप की तुलना में सीमित है, लेकिन इसकी गति तीव्र है। देश के स्टार्टअप और आईटी क्षेत्र में छंटनियों की संख्या बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, केवल वर्ष 2025 के शुरुआती पांच महीनों में भारत में 3600 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से हटाया गया, जिसमें एआई आधारित लागत नियंत्रण एक प्रमुख कारण रहा। यह स्पष्ट करता है कि एआई के कारण दोहराव वाले कार्यों की उपयोगिता घट रही है और उनकी जगह स्मार्ट तकनीक ले रही है। मौजूदा समय में यह कदम लागत-अनुकूलन पहलों के चलते अन्य आईटी सेवा कंपनियों में भी छंटनी को बढ़ावा दे सकता है। इसमें दो राय नहीं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता कारोबार के नियमों में मौलिक बदलाव के चलते, भविष्य के लिये तैयार रहना हर व्यावसायिक उद्यम के एजेंडे में सबसे ऊपर होगा। इस नई हकीकत को देखते हुए, अनेक सवाल सबसे ज्यादा विचलित करने वाले बनकर उभर रहे हैं कि क्या यह तकनीकी बदलाव अनिवार्य रूप से कर्मचारियों की कीमत पर होना चाहिए? एआई युग में नौकरी की अनिश्चितता क्या तकनीक विकास के नाम पर विस्थापन नहीं है? छंटनी की चपेट में युवाओं का भविष्य क्या तकनीकी प्रगति के नाम पर मानव श्रम पर आघात नहीं है? क्या स्मार्ट मशीनें के दौर में भारत में रोजगार को नई चुनौती और इंसानों को हताशा में धकेलना नहीं है? एआई का विस्तार यानी नौकरी का संकुचन क्या भारत के लिए बड़ी चेतावनी की घड़ी बन रहा है?

इन प्रश्नों के परिप्रेक्ष्य में देश में बेरोजगारी का संकट किसी से छिपा नहीं है। देश में श्रमबल का कौशल विकास धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है। सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में आईटी पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। लेकिन टीसीएस के इस फैसले से आईटी पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे उन लाखों छात्रों और डिग्री लेकर निकल रहे उत्साही इंजीनियरों में निराशा व्याप्त होगी। भारत में बढ़ता रोजगार संकट केंद्र सरकार से निरंतर हस्तक्षेप की मांग करता है। हाल ही में हरियाणा में हुई एक परीक्षा में लाखों युवाओं की भागीदारी इस बात का संकेत है कि रोजगार की मांग कितनी व्यापक और अवसर कितने सीमित हैं। देश ही नहीं, दुनिया में रोजगार का संकुचन एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। गोल्डमैन सोच्स की रिपोर्ट के अनुसार, एआई और ऑटोमेशन के चलते दुनिया भर में लगभग 300 मिलियन नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। विश्व आर्थिक मंच का आकलन है कि 2030 तक 92 मिलियन नौकरियां खत्म होंगी, लेकिन उसी अवधि में 1%0 मिलियन नई नौकरियां भी पैदा होंगी। यह एक दोधारी तलवार है, जो बदलेगा, बचेगा; जो रुकेगा, वो हाशिए पर जाएगा।

टीसीएस का दावा है कि छंटनी का निर्णय भविष्य की जरूरतों के अनुसार संगठन को ढालने की रणनीति का हिस्सा है। कंपनी का ध्यान एआई में निवेश, नए बाजारों में प्रवेश, ग्राहक अनुभव सुधार और कार्यबल मॉडल के पुनर्गठन पर केंद्रित है। हालांकि, यह तर्क उन हजारों कर्मचारियों की व्यथा को शांत नहीं कर सकता जिनकी आजीविका पर इसका सीधा प्रहार हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस निर्णय से न केवल कंपनी के भीतर बल्कि समूचे आईटी क्षेत्र में आशंका, आक्रोश एवं अनिश्चितता का माहौल बन गया है। खासकर युवाओं और आईटी की पढ़ाई कर रहे लाखों छात्रों के लिए यह एक मानसिक झटका है। तकनीकी शिक्षा में दाखिले बढ़ रहे हैं, लेकिन रोजगार के अवसर घटते जा रहे हैं। यह असंतुलन देश की सामाजिक स्थिरता को भी प्रभावित कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट बताती हैं कि विश्व स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत नौकरियां एआई के कारण जोखिम में हैं। भारत में अनुमान है कि 2025 तक 12-18 मिलियन नौकरियां एआई आधारित ऑटोमेशन के चलते प्रभावित हो सकती हैं, विशेषकर आईटी और बीपीओ क्षेत्रों में। एटेमबर्ग के संस्थापक के अनुसार, भारत में 40-50 प्रतिशत व्हाइट कॉलर नौकरियां एआइ से प्रभावित होने के कगार पर हैं, जिससे देश के मध्यवर्ग की आर्थिक स्थिरता को गहरा झटका लग सकता है।

टीसीएस की छंटनी ने बेरोजगारी के दौर में बड़ी हलचल मचाई है, हालांकि आईटी और तकनीकी पाठ्यक्रमों में दाखिले बढ़े हैं, लेकिन उनमें व्यावहारिक और भविष्य-उन्मुख कौशल की कमी है। यह असंगति ही भविष्य में अधिक छंटनियों का कारण बन सकती है। एआई हर भूमिका को खत्म नहीं करेगा, बल्कि उसे पुनर्परिभाषित करेगा। जहां दोहराव और विश्लेषण की आवश्यकता है, वहां एआई प्रभावी होगा, लेकिन रचनात्मकता, सहानुभूति और निर्णय क्षमता जैसे गुणों में मानव की भूमिका बनी रहेगी। डॉक्टर, शिक्षक, वकील, पत्रकार जैसे पेशों में एआईएक सहयोगी के रूप में कार्य करेगा, प्रतिस्थापन के रूप में नहीं। मेटा के प्रमुख एआई वैज्ञानिक यान लेकुन के अनुसार, एआई अधिकतर कार्यों का केवल एक हिस्सा ही कर सकता है, वह भी पूरी तरह परिपूर्ण नहीं। मानव श्रमिकों का सीधा प्रतिस्थापन संभव नहीं है।

निश्चित तौर पर एआई और तकनीकी बदलाव अपरिहार्य हैं। सवाल यह है कि हम इसके लिए कितने तैयार हैं? इसके लिए तीन प्रमुख कदम जरूरी हैं, पहला पुनःकौशल और सतत शिक्षा यानी कार्यबल को भविष्य के अनुरूप प्रशिक्षित करना होगा। डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, एआई एथिक्स, सॉफ्ट स्किल्स जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण अनिवार्य बनाना होगा। दूसरा नीतिगत समर्थन यानी सरकार को एआई नीति, डिजिटल समावेशन और श्रमिक सुरक्षा के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तय करने होंगे। रोजगार खोने वालों के लिए पुनर्वास योजनाएं और स्किल अपडेट कार्यक्रम आवश्यक हैं। तीसरा सांस्कृतिक और सामाजिक समायोजन यानी एआई को केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के रूप में भी देखा जाना चाहिए। इसे अपनाने में पारदर्शिता, विश्वास और सहयोग का वातावरण बनाना होगा। तकनीकी बदलाव नई संभावनाएं लेकर आते हैं, लेकिन वे अनायास ही चुनौतियां भी खड़ी करते हैं। टीसीएस की छंटनी से जो संदेश मिलता है वह यही है कि एआई युग में केवल वही टिकेगा जो परिवर्तनशील रहेगा। अब समय आ गया है कि हम तकनीक को केवल उपकरण नहीं, बल्कि नीति और जीवनशैली का हिस्सा मानें। सतत सीखना, अनुकूलन और सामाजिक न्याय, यही तीन स्तंभ हैं, जो भारत को इस तकनीकी क्रांति में न केवल जीवित, बल्कि अग्रणी बना सकते हैं।

नजरिया

प्रेमचंद : जादुई अहसास कराने वाले कथाकार

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

मोबाइल : 7379100261

प्रेमचंद कलम के जादूगर थे। उनका जादू आज भी कायम है। उनकी कलम से निकले शब्द कागज पर शब्द नृत्य करते हैं, जिसकी धमक और थाप से भावनाओं का तूफान उमड़ आता है, फिजा में जादुई बिंबों के कोलाज तैरने लगते हैं और तब पाठक के सामने जन्म लेतीं हैं- ईदगाह, पंच परमेश्वर, परीक्षा, मंत्र, गुल्ली-डंडा, सवा सेर गेहूँ, सद्गति, मुक्ति मार्ग, बूढ़ी काकी, ठाकुर का कुआं, पूस की रात, कफन जैसी तीन सौ से अधिक कहानियाँ...!

उनकी कहानियाँ कथ्य, शिल्प और संरचना के सधे त्रिकोण पर खड़ी सिर्फ शब्दों का सममुच्चय नहीं हैं। बल्कि समय की धारा में अवस्थित वह जादुई लहरें हैं, जो पढ़ने वाले को एक अनोखे सफर पर ले जाती हैं। इनके साथ बहते हुए पाठक सौ साल पहले की गरीबी, शोषण, अत्याचार, पाखंड, छुआछूत और अन्याय की कड़वी सच्चाई से भरी दुनिया में पहुँच जाता है। 'पंच परमेश्वर', 'मंत्र', 'नमक का दरोगा' उस अनमोल परम्परा का उद्घोष है, जिसके ऊपर मानव सभ्यता की नींव में टिकी है।

'मंत्र' की शुरुआत डॉ. चड्ढा के बंगले से होती है। एक गरीब आदमी डोली में अपने सात वर्षीय बीमार पुत्र को लेकर आया है। डॉक्टर साहब के गोल्फ खेलने का समय हो चुका था, लिहाजा वह कल आने को कहकर अपनी मोटर स्टार्ट करके चले जाते हैं। मरीज की डोली लौट जाती है। लड़का उसी रात मर गया था। एक लंबे समय बाद डॉ. चड्ढा के बेटे कैलाश नाथ को उसकी बीसवीं सालगिरह की रात सांप काट लेता है। बूढ़े भगत को यह खबर मिलती है। डॉक्टर साहब के अमानवीय व्यवहार का मलाल अब भी उसके मन में विद्यमान है। वह सोचता है, डॉक्टर भगवान नहीं हैं। बच्चे को मरना ही था, लेकिन एक बार देख तो सकते थे। मैं भी नहीं जाऊंगा। किन्तु बूढ़े का वर्षों पुराना एक संस्कार था, सर्पदंश का समाचार मिलते ही वह झाड़फूँक करने चल पड़ता था। आज भी उसका संस्कार उसे बेचैन करने लगता है...पूस की रात में अपनी बुढ़िया को झोपड़ी में सोता छोड़ वह निकल पड़ता है। चेतना रोक रही है, उपचेतना उसे आगे धकेल रही है। इस आत्म संघर्ष और द्वन्द्व का प्रेमचंद ने जैसा विशद, बहुआयामी और सांगोपांग चित्रण किया है, वह कहानी को ले जाकर 'क्लासिक' के सिंहासन पर बैठा देता है। भगत ने अपने मंत्रों और झड़ी-बूटियों से सुबह होने के पहले निष्पंद पड़े कैलाशनाथ की आँखें खोल दी। मातम की निस्तब्धता के बीच जीवन का उल्लास नाच उठा। इसी समय भगत ने चिलम में रखकर अपनी तमाखू पी और चुपचाप झोपड़ी की दिशा में चल पड़ा। अंधेरा छंट रहा था और उसके कदमों में तेजी आ रही थी, क्योंकि वह चाहता था कि बुढ़िया के जागने से पहले झोपड़ी में पहुँच जाय...और इस समय पाठक की निगाह में वह फटेहाल और कृशकाय भगत मोह-माया से मुक्त एक सन्त बन चुका होता है। प्रणाम की मुद्रा में आते हुए पाठक को लगता है कि वह ही नहीं, सारी कायनात भगत के अभिवादन में झुकी पड़ी है।

'पंच परमेश्वर' 'न्याय और नमक का दरोगा' ईमानदारी एवं नैतिकता का प्रतिमान रचती है। पंडित अलोपीदीन कितने भी रसुखवाले जमींदार और व्यावसायी रहे हों, लेकिन 'नमक के दरोगा' का नायकत्व मुंशी वंशीधर के हिस्से में ही आता है। कम उम्र के अनुभवहीन वंशीधर मन, वचन और कर्म से ईमानदार हैं तो नायक भी उनको ही होना चाहिए। यही प्राचीन आर्ष परम्परा का सत्य है। प्रेमचंद भारतीयता से कभी अलग नहीं होते। हमारी मान्यता, हमारा अस्तित्व, हमारी पहचान और हमारा इतिहास- सब कुछ उन्होंने कहानियों के रेशमी धागों में बुन रखा है । उन्होंने 1907 में पहली कहानी यमन की शहजादी दिलफरेब और उसके प्रेमी दिलफिगार की प्रेमकथा दुनिया का सबसे 'अनमोल रतन' को करीब-करीब किस्सा हातिमताई की तर्ज पर लिखा था। यह सिर्फ प्रेम और बलिदान की नहीं, बल्कि अपने समेकित अर्थ में देशप्रेम का अफसाना है। प्रेमचंद पाठकों के दिल बहलाव के लिए कहानियाँ नहीं लिखते थे। वह कहानियों के माध्यम से जीवन मूल्यों का प्रतिदर्श रचते थे।

प्रेमचंद ने ऐतिहासिक कहानियाँ भी लिखी हैं। 'शतरंज के खिलाड़ी' में अवध के नाबाब वाजिदअली शाह के वक्त की धड़कने हैं। कहानी के पात्र मिर्जा और मीर उनके ही दरबार के दो आमीर हैं, जिन्हें शतरंज खेलने के जुनून के सामने न परिवार की फिक्र और न देश की चिंता ! अठारहवीं और उन्नीसवीं सदी के बीच एक बड़ा कालखण्ड ऐसे ही नकारा नबाब, सूबेदार, अमीर और राजाओं से भरा पड़ा था। इनका सारा ध्यान अपनी ऐयाशियों तक सीमित रहता था। इनकी तलवार का पानी कब का उतर चुका था । विक्रमादित्य का 'तेंगा' के माध्यम से प्रेमचंद हमें दो हजार साल पहले के परिवेश और सामाजिक न्याय से परिचित कराते हैं। 'रानी सारंधा' पाठकों को मुगल शासकों की कट्टरता और बर्बरता से रू-ब-रू कराती है। लड़ाकू तैमूर और उसकी प्रेमिका

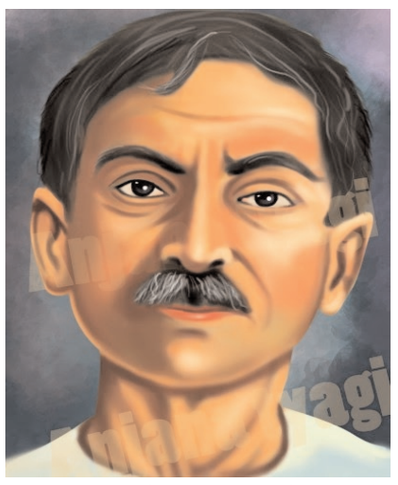

हबीब की कहानी है 'दल की रानी'! तैमूर हबीब के हुस्न का दीवाना था, लेकिन लड़ाकू दस्ते के साथ ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर घोड़ा दौड़ाते हुए और लड़ाइयों के बीच तैमूर हबीब की घुड़सवारी और तलवारबाजी का भी कायल हो जाता है। यह नारी को परम्परागत दायरे से बाहर निकाल कर उसकी क्षमता के बृहत्तर आयामों को उद्घाटित करती है। इन कहानियों में ऐतिहासिक तथ्यों, किवदंतियों, लोक श्रुतियों और कल्पना का सुन्दर संयोजन है। यह संस्कृति की गाथाओं को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का साधन बन गई हैं। यह एक ऐसे पुल का निर्माण करती हैं, जहां से हम अतीत और वर्तमान से आगे भविष्य में भी झांक सकें। अपने समय में इन कहानियों ने न केवल पाठक का मनोरंजन किया, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन के सबक, नैतिकता और साहस की प्रेरणा भी देने में पीछे नहीं है। प्रेमचंद का कालखंड राजनीतिक उथल-पुथल से भरा था। देश में आजादी की लड़ाई अपने पूरे शबाब पर थी। उनके उपन्यासों में इसकी धमक खूब दिखती है। मगर कहानियाँ भी इससे अछूती नहीं हैं । राजनीतिक चेतना से जुड़ी 'जेल', 'जुलूस' और 'शराब की दुकान' जैसी कहानियाँ इसका सीधा प्रमाण हैं। वह संयुक्त परिवार के दिन थे। एक छत के नीचे तीन से चार पीढ़ियाँ एकसाथ जीवन यापन करती थीं। परिवार को बिखराव से बचाकर रखना एक आदर्श सामाजिक मूल्य था। 'बड़े घर की बेटी' की आनंदी एक प्रतिष्ठित परिवार की पुत्री और गौरीपुर के जमींदार बेनी माधव सिंह के बड़े बेटे नीलकंठ की पत्नी थी। एक दिन देवर से उसकी कहा-सुनी हो गई, देवर ने थप्पड़ मार दिया। यह बड़ी बात थी और इसका बड़ा हंगामा हुआ। बात अलगाव तक आ पहुंची। आनंदी मानसिक द्वन्द्व में थी। एक गलती के प्रतिकार में उसे परिवार का बिखराव बड़प्पन नहीं लग रहा था, बल्कि सारे गिला-शिकवा भूलकर परिवार को बचा लेना उसे ठीक लगा और उसने यही किया । जाहिर सी बात है, ऐसा करके वह बड़े घर की बेटी कहलाने की हकदार बनी।

'पूस की रात', 'कफन', 'सवा सेर गेहूँ', 'सद्गति' में प्रेमचंद अपने समय की ऐसी क्रूर सच्चाई सामने ले आते हैं जो पाठक के विचारों को झकझोर देती है। बूढ़ी काकी' का बुढ़ापा आज भी परिजनों के लिए भार है। जूठा पत्तल चाटने की विवशता भले न हो, किन्तु मान-सम्मान का कोई पुरसाहाल नहीं है। ठाकुर का कुआं' इस बात का सबूत है कि समाज में विकट छुआछूत थी। बीमार जोखू की पत्नी गंगी का ठाकुर के कुएं से साफ पानी ले पाना भी सम्भव नहीं था। 'मुक्तिमार्ग' बुद्धू गड़रिया और झींगुर के संघर्ष की कथा है। आपसी द्वन्द्व के बीच दलित हरिहर और एक ब्राह्मण भी शामिल हो जाते हैं। यह सामाजिक व्यवस्था की क्रूरता और किसान की दुर्दशा के बहाने अहंकार, लालच और सांसारिक बंधनों से ऊपर उठकर अपने 'स्व' के पहचान का संदेश देती है। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि उन्होंने बच्चों के लिए भी ढेर सारी कहानियाँ लिखी थी। बालक हामिद को केंद्र में रखकर 'ईदगाह' जैसी रोचक और संवेद्य कहानी की रचना अपने आप में एक मानक है।

प्रेमचंद के लेखन की जमीन ग्रामीण जीवन है। महाजनी सभ्यता और जमींदारी के दो पाटों के बीच पिसते किसान और मजदूर की पीड़ा से उनकी कहानियाँ जन्म लेती हैं। दलितों के प्रति क्रूरता, अन्याय, अत्याचार, महिलाओं की दुर्दशा, विधवा जीवन, अनमेल विवाह, दहेज, अशिक्षा, सामाजिक जड़ता, शोषण, जातीय भेदभाव पर वह बेवाकी से कलम चलते रहे हैं। गाँव की गरीबी-गुरबत के कारणों की तलाश में ग्रामीण जीवन का कोई भी कोना उनकी ताक-झांक से बच नहीं पाया है। यही कारण है, प्रेमचन्द की कहानियाँ आज भी ताजगी से भरी-पुरी लगती हैं। सरल और पारदर्शी भाषा से निर्मित बिम्ब परिवेश को प्रामाणिक बनाते हैं। मानवीय कार्य-व्यापार का बारीक विवरण, सघन अनुभव और मनोभावों का प्रभावी चित्रण के साथ सजग दृष्टि की उपस्थिति से ऐसा प्रतीत होता है कि हम कहानी पढ़ने के बजाय अपने सामने घटित होते देख रहे हैं। यह कहानियाँ हमें अहसास कराती हैं कि दुर्दिन की रात कैसी भी काली, भयावनी और लम्बी हो, किन्तु उसकी परिणति एक उजली सुबह में ही होती है। प्रेमचंद की कहानियों का यह एक ऐसा दुर्लभ गुण है, जो उनको कभी चलन से बाहर नहीं होने देगा।

महत्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने सरकारी स्कूल के विकास के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए

छत्रपति संभाजीनगर/दक्षिण भारत। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने बुधवार को छत्रपति संभाजीनगर के बिडकिन में जिला परिषद केंद्रीय प्राथमिक स्कूल (जेडपीकेपीएस) के व्यापक बुनियादी ढांचे के विकास में सहयोग करने के लिए जिला परिषद के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

यह समारोह कलेक्टर कार्यालय में आयोजित हुआ। इसमें कलेक्टर दिलीप स्वामी, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंकित और शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों सहित गणमान्य लोग मौजूद थे। टीकेएम का प्रतिनिधित्व मुख्य संचार अधिकारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं राज्य मामलों के प्रमुख सुदीप दलवी तथा कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने किया।

इस अवसर पर कलेक्टर दिलीप स्वामी ने कहा, 'हम जेडपीकेपीएस बिडकिन के बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के लिए टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के साथ इस सहयोग का स्वागत करते हैं। यह एक ऐसा स्कूल है, जो क्षेत्र में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों को शिक्षित करने में केन्द्रीय भूमिका निभाता रहा है। इससे शिक्षण वातावरण में काफी सुधार होगा। ऐसे प्रयासों के जरिए सार्वजनिक शिक्षा को मजबूत करना समावेशी विकास सुनिश्चित करने की कुंजी है। हम इस साझा लक्ष्य की दिशा में टोयोटा के योगदान की सराहना करते हैं।' टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के मुख्य संचार अधिकारी सुदीप दलवी ने कहा, 'हमारा दृढ़ विश्वास है कि शिक्षा दीर्घकालिक, समावेशी विकास के सबसे शक्तिशाली कारकों में से एक है। लगभग 1,200 विद्यार्थियों के लिए एक पोषणकारी और आधुनिक शिक्षण वातावरण का निर्माण करके, हम भावी पीढ़ियों की क्षमता में निवेश कर रहे हैं।'

भारत ने इजराइल-फलस्तीन संघर्ष के द्वि-राष्ट्र समाधान के लिए समर्थन पुनः दोहराया

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। भारत ने संयुक्त राष्ट्र के एक उच्च-स्तरीय सम्मेलन में कहा कि वैश्विक प्रयासों को अब ''उद्देश्यपूर्ण संवाद और कूटनीति'' के माध्यम से इजराइल-फलस्तीन संघर्ष का द्वि-राष्ट्र समाधान हासिल करने पर केंद्रित होना चाहिए। भारत ने यह भी कहा कि किसी को केवल कागजी समाधानों से संतुष्ट नहीं होना चाहिए, बल्कि व्यावहारिक समाधानों को प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पवर्तनेनी हरीश ने मंगलवार को कहा कि 'फलस्तीन के प्रश्न का शांतिपूर्ण समाधान और द्वि-राष्ट्र समाधान का कार्यान्वयन' विषय पर संयुक्त राष्ट्र उच्च स्तरीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारी के दौरान हुए विचार-विमर्श से यह पुष्टि होती है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय का मानना है कि द्वि-राष्ट्र समाधान के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

हरीश ने कहा, हमारे प्रयास अब इस बात पर केंद्रित होने चाहिए कि उद्देश्यपूर्ण संवाद और कूटनीति के माध्यम से द्वि-राष्ट्र समाधान को कैसे हासिल किया जाए और संघर्ष में शामिल दोनों पक्षों को एक-दूसरे के साथ प्रत्यक्ष संवाद में कैसे शामिल किया जाए। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा, समर्थन की पुनः पुष्टि ऐसे ठोस कदमों के रूप में होनी चाहिए जो द्वि-राष्ट्र समाधान का मार्ग प्रशस्त करें। इन कदमों की पहचान और उनके कार्यान्वयन की प्रक्रिया सामूहिक प्रयासों से हासिल की जा सकती है।

प्रदर्शन

कांग्रेस विकलांग प्रकोष्ठ के एक नेता को बुधवार को विधानसभा के बाहर विभिन्न मांगों को लेकर धरना देते समय पुलिसकर्मियों ने हिरासत में लिया और उन्हें लखनऊ के इको गार्डन धरना स्थल पर भेज दिया।

भाजपा सांसद दुबे ने राहुल पर 1971 के युद्ध के तथ्यों को गलत तरह से रखने का आरोप लगाया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि उन्होंने सदन में पाकिस्तान के खिलाफ 1971 के युद्ध में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कदमों का जिक्र करते हुए 'तोड़-मरोड़कर और गलत तथ्यों' को पेश किया।

दुबे ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से अनुरोध किया कि सदन में विपक्ष के नेता की उनकी 'आदतन लापरवाही' के लिए निंदा की जानी चाहिए।

सूत्रों ने बताया कि बिरला को लिखे एक पत्र में दुबे ने उनसे राहुल गांधी को उनके 'शंका पैदा करने वाले बयानों' के लिए 'कारण बताओ' नोटिस जारी करने का अनुरोध किया। साथ ही, भाजपा सांसद ने सदन में इस मुद्दे को उठाने के लिए अध्यक्ष से अनुमति भी मांगी। राहुल गांधी ने मंगलवार को सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान कहा था कि अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में पाकिस्तान के साथ युद्ध के दौरान इंदिरा गांधी द्वारा दिखाए गए साहस का 50 प्रतिशत भी साहस है, तो उन्हें संसद में स्पष्ट रूप से कहना चाहिए कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप झूठा दावा कर रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम में मध्यस्थता की थी।

राहुल ने कहा था कि उनकी दादी इंदिरा गांधी ने सशस्त्र बलों को पूरी तरह से आजादी दी थी, जबकि मोदी सरकार ने 'उनके हाथ बांध दिए हैं'। पलटवार करते हुए, दुबे ने 5 दिसंबर, 1971 को तत्कालीन प्रधानमंत्री द्वारा उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को लिखे गए एक पत्र का हवाला दिया और दावा किया ''इंदिरा गांधी ने सचमुच उनसे पाकिस्तान के साथ युद्ध रोकने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने की गुहार लगायी थी।

भाजपा सांसद ने अध्यक्ष को सौंपे गए अपने ज्ञापन में उस पत्र की प्रति भी संलग्न की है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने एक बार फिर 'भलीभांति अभिलेखित ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़कर जनता के विश्वास को बेशर्मी से तोड़ा है' और अपने परिवार और पार्टी का महिमामंडन करने की उनकी 'आदत' बन गई है।

दुबे ने दावा किया कि कांग्रेस नेता ने यहां तक कह दिया कि इंदिरा गांधी ने अमेरिका के कूटनीतिक, राजनीतिक और कई अन्य रणनीतिक दबावों के बावजूद बहादुरी से युद्ध लड़ा, जिसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश का निर्माण हुआ।

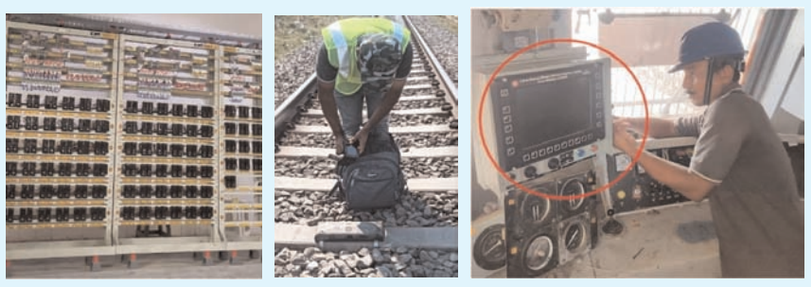

ज्यादा सुरक्षित होगा ट्रेन का सफर

मथुरा-कोटा रेल खंड पर कवच 4.0 को स्थापित किया गया

गोरखपुर/दक्षिण भारत। भारतीय रेलवे ने अपनी सुरक्षा प्रणालियों के आधुनिकीकरण को लेकर बड़ा कदम उठाते हुए स्वदेशी रेल सुरक्षा प्रणाली 'कवच 4.0' को दिल्ली-मुंबई मार्ग के मथुरा-कोटा रेल खंड पर स्थापित किया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' दृष्टिकोण को प्रेरणा बताया है।

इस प्रणाली को पिछले साल जुलाई में आरडीएसओ ने मंजूरी दी थी। विकसित देशों को ऐसी प्रणाली तैयार कर लागू करने में दशकों का समय लगता है, जबकि कोटा-मथुरा रेलखंड पर कवच 4.0 को स्थापित करने में बहुत कम समय लगा है। वहीं, कवच स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली को पूर्वोत्तर रेलवे के 1,441 रूट किमी पर लगाने के कार्य को रेल मंत्रालय ने मंजूरी दी है। इस पर 492.21 करोड़ रुपए की लागत आएगी।

बता दें कि कवच को ट्रेनों की गति की निगरानी और नियंत्रण के जरिए दुर्घटनाएं टालने के लिए तैयार किया गया है। वर्ष 2015 में इस पर काम शुरू किया गया और तीन वर्षों तक परीक्षण चला था। विभिन्न तकनीकी सुधारों के बाद इसे सबसे पहले दक्षिण मध्य रेलवे में स्थापित किया गया तथा वर्ष 2018 में पहला संचालन प्रमाणपत्र मिला था।

इन अनुभवों के बाद उन्नत संस्करण 'कवच 4.0' को विकसित किया गया। इसे मई 2025 में 160 किमी प्रति घंटा तक की रफ्तार के लिए मंजूरी मिली थी। इसमें इस्तेमाल होने वाले सभी उपकरणों का निर्माण भारत में हुआ है। इस प्रणाली में एसआईएल-4 यानी सुरक्षा के सर्वोच्च स्तर का ध्यान रखा गया है। गौरतलब है कि रेलवे अगले छह वर्षों में देश के विभिन्न मार्गों पर कवच 4.0 को स्थापित करने की तैयारी कर रहा है।

इसके लिए अब तक 30,000 से ज्यादा लोगों को प्रशिक्षण मिल चुका है। कवच को बीटेक पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए कई संस्थानों के साथ समझौते हो चुके हैं। इनमें एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त 17 इंजीनियरिंग कॉलेज, संस्थान और विश्वविद्यालय शामिल हैं। कवच से लोको पायलटों को प्रतिकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों में बहुत मदद मिलेगी। उन्हें केबिन में डैशबोर्ड पर जानकारी दिखाई देगी। आपात परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से ब्रेक लगाने में भी आसानी होगी।

सलमान खान की सलाह पर बदला नाम, बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में शुमार 'प्रीति'

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत और टैलेंटेड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी का 34वां जन्मदिन गुरुवार को है। अपनी दिलकश अदाकारी और सादगी भरे अंदाज से दर्शकों का दिल जीतने वाली कियारा ने कम समय में ही इंडस्ट्री में खास जगह बनाई। उनके पिता एक बिजनेसमैन और मां एक शिक्षिका हैं, लेकिन कियारा ने अपने दम पर बॉलीवुड की दुनिया में कदम रखा और आज वह टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार हैं। कियारा के मन में एक्ट्रेस बनने का पहली बार ख्याल 12वीं क्लास में आया था। एक्ट्रेस बनने से पहले कियारा अपनी मां के स्कूल में बच्चों को पढ़ाया करती थीं। कम ही लोग जानते हैं कि कियारा आडवाणी का असली नाम आलिया आडवाणी है। कियारा ने सलमान खान की सलाह पर 'फगली' से पहले अपना नाम बदलकर कियारा रख लिया, जो प्रियंका चोपड़ा के किरदार 'अंजना अंजनी' से प्रेरित था। कियारा का जन्म 31 जुलाई 1991 को मुंबई में हुआ। उनके पिता जगदीप आडवाणी एक सफल बिजनेसमैन हैं, जबकि मां जेनेवीव जाफरी एक शिक्षिका रही हैं। कियारा का बचपन मुंबई में बीता, जहां उन्होंने कैथेड्रल एंड जॉन कॉनन स्कूल से पढ़ाई की और बाद में जय हिंद कॉलेज से मास कम्युनिकेशन में ग्रेजुएशन किया। पढ़ाई में अव्वल कियारा ने 12वीं कक्षा में 92 प्रतिशत अंक हासिल किए थे। लेकिन, उनका दिल हमेशा से सिल्वर स्क्रीन को पसंद करता था।

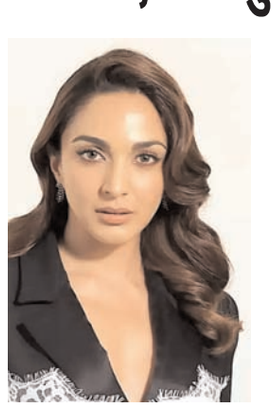

कियारा ने एक बार कमीडियन कपिल शर्मा के 'द कपिल शर्मा' शो में बताया था कि जब वह 12वीं क्लास में थी तो उन्होंने साल 2009 में रिलीज हुई आमिर खान की फिल्म 'थ्री इडियट्स' देखी थी, जिसने उनके जीवन को बदल दिया। इस फिल्म को देखने के बाद उन्होंने अपने पिता से एक्ट्रेस बनने की इच्छा जाहिर की। पहले तो पिता को यह बात अटपटी लगी, लेकिन कियारा के पैशन को देखते हुए उन्होंने बेटी को सपनों के पीछे जाने की इजाजत दे दी। यहीं से कियारा का बॉलीवुड सफर शुरू हुआ।

कियारा ने साल 2014 में फिल्म 'फगली' से बॉलीवुड में डेब्यू किया, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा सकी। उन्हें असली पहचान साल 2016 में 'एमएस धोनी : द अनटोल्ड स्टोरी' से मिली, जहां उन्होंने धोनी की पत्नी 'साक्षी' का किरदार निभाया। इसके बाद साल 2018 में नेटफ्लिक्स की 'लस्ट स्टोरीज' में उनकी बोल्ड परफॉर्मेंस ने सबका ध्यान खींचा। फिर तो कियारा की एक्टिंग की चमक दिन-ब-दिन बढ़ती गई और साल 2019 में 'कबीर सिंह' में 'प्रीति' के किरदार ने कियारा को रातोंरात स्टार बना दिया। इस फिल्म में उनकी सादगी भरी अदायगी ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इसके बाद कियारा ने 'गुड न्यूज', 'शेरशाह', 'भूल भुलैया 2', 'जुग जुग जियो' और 'सत्यप्रेम की कथा' जैसी हिट फिल्मों में शानदार एक्टिंग दिखाई। बॉलीवुड के साथ ही साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी कियारा हिट रही हैं। वह 'भारत अने नेनु' और 'गेम चेंजर' जैसी फिल्मों से अपनी छाप छोड़ चुकी हैं। उनकी अपकमिंग फिल्में 'वॉर 2' और 'डॉन 3' हैं। कियारा की पर्सनल लाइफ भी उनकी प्रोफेशनल लाइफ की तरह सुर्खियों में रही है। साल 2020 में 'शेरशाह' की शूटिंग के दौरान उनकी मुलाकात सिद्धार्थ मल्होत्रा से हुई और दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं।

फिल्म 'मेहर' का पोस्टर जारी

मुंबई/एजेन्सी

बिजनेस से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने वाले राज कुंद्रा ने मंगलवार को अपनी पहली पंजाबी फिल्म 'मेहर' का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया। उन्होंने कहा कि फिल्म में उनके किरदार ने उन्हें अंदर से बदल दिया है और उनकी सोच को नई दिशा दी है। वह फिल्म में करमजीत सिंह का किरदार निभा रहे हैं, जो काफी भावनात्मक है और अपने परिवार से बेइंतहा प्यार करने वाला है। वह मुश्किलों में भी शांत और मजबूत बना रहता है। राज कुंद्रा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर साझा किया, जिसमें वह करमजीत सिंह नाम के किरदार में दिख रहे हैं। उनके साथ गीता बसरा और बाल कलाकार मास्टर अगमवीर सिंह भी नजर आ रहे हैं। पोस्टर में राज कुंद्रा ने ब्लू कलर का सूट पहना हुआ है और वह चारपाई पर बैठे दिख रहे हैं। उनके हाथ में एक ट्रॉफी है।

पोस्टर जारी करते हुए राज कुंद्रा ने लिखा, फिल्म 'मेहर' का पहला लुक पोस्टर आपके सामने है। मैं एक ऐसी दुनिया में कदम रख रहा हूं, जहां भावनाएं, रिश्ते और एक विरासत की कहानी है। ये मेरी पहली पंजाबी फिल्म है। इसमें मेरे साथ खूबसूरत एक्ट्रेस गीता बसरा भी हैं।

फिल्म में मेरा किरदार करमजीत सिंह है, जिसने मुझे अंदर से बदल दिया और मेरी सोच को नई दिशा दी है। इस कहानी को जीते हुए मैंने हर भावना को महसूस किया। फिल्म को राकेश मेहता ने बड़े ही जुनून के साथ डायरेक्ट किया है। राज कुंद्रा ने अपनी पोस्ट में फिल्म के म्यूजिक और टीम के बारे में भी बताया। उन्होंने लिखा, ''इस फिल्म का संगीत 'ड्रीम्स म्यूजिक' नामक कंपनी ने तैयार किया है, जो आपका दिल को छू लेगा। मैं अपने प्रोड्यूसर दिव्या भटनागर और रघु खन्ना का दिल से धन्यवाद करता हूं। फिल्म 5 सितंबर को दुनियाभर में रिलीज हो रही है। उम्मीद है कि आप लोग हमें उतना ही प्यार देंगे, जितना पंजाब ने मुझे दिल से अपनाया।''

आगामी पंजाबी फिल्म 'मेहर' का निर्देशन राकेश मेहता कर रहे हैं। इस फिल्म में राज कुंद्रा के अलावा बनिंदर बनी, सविता भट्टी, रूपिंदर रूपी, दीप मनदीप, आशीष दुग्गल, हॉबी धालीवाल, तारसेम पॉल और कुलवीर सोनी जैसे कलाकार हैं। 'मेहर' फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ताजमहल की खूबसूरती देख अवाक रह गई अनन्या पांडे, बोलीं- वाह ताज

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अनन्या पांडे ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट किया, जिसमें वो ताजमहल की खूबसूरती निहारतीं देखी जा सकती हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें पोस्ट की। जिसमें वह ताजमहल के पास पोज देती नजर आ रही हैं। तस्वीरों में अनन्या पीले और नीले रंग की प्रिंटेड ड्रेस पहने हुए बेहद खूबसूरत लग रही हैं। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, वाह ताज। वहीं एक्टर कार्तिक आर्यन ने भी एक वीडियो अपलोड किया जिसमें खूबसूरत इमारत दिख रही है। इसके साथ ही लिखा- मुमताज ढूंढ रहा हूं। तस्वीर में उन्होंने फिल्म 'जोधा अकबर' का गाना 'जश्न-ए-बहारा' भी जोड़ा, जिसे ए. आर. रहमान ने कंपोज किया और जावेद अली ने गाया था। इस फिल्म में ऋतिक रोशन और ऐश्वर्या राय बच्चन मुख्य भूमिका में थे। इसी के साथ ही अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर जैकी श्रॉफ की एक झलक साझा कर लिखा, बताओ मैं किसके साथ शूटिंग कर रही हूं?

तस्वीर में जैकी श्रॉफ का चेहरा तो नहीं दिख रहा, लेकिन उनके गले का लॉकेट दिख रहा है, जिसमें 'बिडू' लिखा हुआ है, जिससे साफ पता चल रहा है कि अभिनेत्री जैकी श्रॉफ के साथ शूटिंग कर रही हैं। ताजमहल का निर्माण 1632 में पांचवें मुगल बादशाह शाहजहां ने अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में कराया था। मुमताज महल की कब्र के बगल में ही शाहजहां की भी है। यह मकबरा 17 हेक्टेयर में फैले एक विशाल परिसर का मुख्य हिस्सा है, जिसमें एक मस्जिद, एक गेस्ट हाउस और चारों ओर बने खूबसूरत बाग हैं। यह पूरा क्षेत्र तीनों ओर से ऊंची दीवारों से घिरा हुआ है। अनन्या की बात करें, तो वो जल्द ही 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में कार्तिक आर्यन के साथ नजर आएंगी। इसमें नीना गुप्ता और जैकी श्रॉफ जैसे स्टार्स अहम भूमिकाओं में होंगे। फिल्म को करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्वा मेहता और किशोर अरोड़ा मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अनन्या और कार्तिक दूसरी बार एक-दूसरे के अपोजिट काम कर रहे हैं। इससे पहले वह 2019 में 'पति पत्नी और वो' में नजर आए थे, जिसे मुदस्सर अजीज ने डायरेक्ट किया था।

'वसुधा' का हिस्सा बनीं परिणीता बोरठाकुर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री परिणीता बोरठाकुर जल्द ही जी टीवी के लोकप्रिय शो 'वसुधा' में खास किरदार में नजर आएंगी। नई और प्रभावशाली भूमिका निभाने के लिए तैयार अभिनेत्री ने बताया कि शो में उनके किरदार का नाम 'चंद्रिका सिंह चौहान' है, जो एक परिवार मुखिया का सशक्त और दमदार किरदार है। परिणीता ने बताया कि किसी चल रहे शो में बीच में किसी किरदार को निभाना अपने आप में कई चुनौतियां लेकर आता है, लेकिन वह इसे एक बड़े अवसर के रूप में देखती हैं। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि उन्हें मजबूत महिला किरदारों वाली कहानियां पसंद हैं। परिणीता ने अपने किरदार के बारे में बताया, वासुधा जैसे शो का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत रोमांचक है। यह शो पहले से ही दर्शकों के बीच लोकप्रिय है और हाल ही में टीवी इंडस्ट्री के टॉप 10 शोज में शामिल हुआ है। बीच में किसी किरदार को अपनाना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन मैं इसे एक अवसर के रूप में देखती हूं, जिसके जरिए मैं एक ऐसी कहानी का हिस्सा बन सकती हूं, जो पहले से ही लाखों लोगों के दिलों को छू चुकी है। उन्होंने आगे कहा, मुझे हमेशा से गहरी भावनाओं और मजबूत महिला किरदारों वाली कहानियां पसंद रही हैं। चंद्रिका के किरदार के बारे में जानते ही मुझे उससे तुरंत जुड़ाव महसूस हुआ। वह एक ऐसी महिला है जो शांत, दमदार और दृढ़ विश्वास के साथ परिवार का नेतृत्व करती है। मैं इस किरदार में अपनी शैली लाने की कोशिश करूंगी, साथ ही उस मूल भावना को बनाए रखूंगी, जिसे दर्शकों ने पसंद किया है। 'वसुधा' की कहानी में करिश्मा और मेघा की साजिशों के बीच चंद्रिका एक स्थिर और मजबूत किरदार के रूप में उभरती है, जो अनुशासन और गरिमा के साथ परिवार को संभालती है। परिणीता ने कहा, चंद्रिका का किरदार भावनात्मक मुश्किलों और सिद्धांतों से भरा है। इसे निभाना मेरे करियर का सबसे रचनात्मक अनुभव रहा है। मैं उम्मीद करती हूं कि दर्शक मेरे इस किरदार को अपनाएंगे। पहले इस किरदार को नौशीन अली सरदार ने निभाया था। निर्माता अरविंद बब्बल ने बताया, नौशीन ने चंद्रिका के किरदार को बहुत खूबसूरती और गरिमा के साथ निभाया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | गुरुवार | 31-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

इंसान का जीवन एक तिजोरी के समान है। इसमें सद्गुण रूपी आभूषण रखना चाहिए। दुर्गुणों का कचरा भरने की मूर्खता हरगिज भी नहीं करनी चाहिए। कुटिलता और कृपणता ऐसे दुर्गुण हैं जो जीवन में सरलता और उदारता के गुण को प्रकट नहीं होने देता। जहाँ मायाचार का सेवन नहीं है वहाँ मधुरता और सरसता का वास है। सरल व्यक्ति ही लोकप्रिय और भगवान की कृपा का पात्र बनता है। कंजूस व्यक्ति उसे माना जाता है जिसके पास प्रचुर मात्रा में शक्ति और साधन है फिर भी उपयोग और उपभोग के मौके दाएं बाएं झांकता है व्यय नहीं करने के नए नए बहाने खोजता है और अपनी महानता को झूठे आदर्शों और सिद्धांतो के सहारे प्रकट करता है केवल संग्रह करने की नित नूतन योजना बनाता है।

नेमीनाथ भगवान का दीक्षा कल्याणक पर्व श्रद्धा व भक्ति से मना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में और आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी महाराज के पावन सान्निध्य में बुधवार को भगवान नेमीनाथ का दीक्षा कल्याणक भव्य श्रद्धा, भक्ति और तप के साथ मनाया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष अरुण ओस्तवाल ने सबका स्वागत किया। इस अवसर पर पंन्यास विमल पुण्यविजयजी म.सा. और साध्वी त्यागनिधिजी म.सा. ने सौवीं ओली का पच्चक्खाण लेकर तप आरंभ किया। आचार्यश्री ने इस अवसर पर उनके तप, ज्ञान और वैयावच्च साधना की अनुमोदना करते हुए कहा कि उनका तप सातापूर्वक निर्विघ्न संपन्न हो। उन्होंने कहा नेमीनाथ भगवान की आज दीक्षा है, हमें कम से कम शिक्षा तो लेनी चाहिए। इस अवसर पर पंन्यास प्रवर विमल पुण्यविजयजी ने मां और गुरु की महिमा पर भावपूर्ण विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि माता जन्म देती है, पर गुरु जीवन को दिशा देता है। सबसे बड़ी भेंट माता-पिता से मिलती है और वह है संयम का मार्ग देव, गुरु, धर्म का आशीर्वाद है कि आज मैं यहां तक पहुंचा हूं। उन्होंने कहा, तप और तपस्वी दिखते हैं लेकिन उसके पीछे सेवा करने वाले नहीं दिखते हैं।

इस दौरान भगवान नेमीनाथ की दीक्षा की गाथा पर आधारित भाव-विभोर कर देने वाला नाट्य मंचन प्रस्तुत किया गया। इसमें नेमीनाथ भगवान के पिता समुद्रविजय महाराज, माता शिवादेवी, इंद्र, राजिमति, कुल महत्तरा आदि पात्रों ने सजीव अभिनय द्वारा तीर्थंकर नेमीनाथ भगवान की करुणा व त्याग का मार्मिक चित्रण किया। प्रातः दीक्षा वरघोड़ा भी उत्साहपूर्वक निकाला गया।

श्रद्धालुओं को 'प्रीतिदान' स्वरूप सामग्री वितरित की गई और उपकरण सजावट प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। ट्रस्ट सचिव मुकेश शाह ने आभार जताया।

वस्तु का उपयोग विवेक से करें तो वह अमृत है : कमलमुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट स्थित जैन भवन में राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने बुधवार को कहा कि वस्तु बुरी अथवा अच्छी नहीं होती है, उसके उपयोग करने वाले पर निर्भर करता है वह उसका किस प्रकार उपयोग करता है। मृत्यु का निमित्त मानने वाले जहर भी विवेक से काम ले तो दवाई का काम करता है, और जीवन में मिठास भरने वाली मिठाई भी यदि अविवेक से काम ले तो जहर का काम करती है। अपने उपयोग कि लापरवाही और अज्ञान दशा को लेकर वस्तु को बुरी बताना सबसे बड़ी नादानी है।

उन्होंने कहा कि दुनिया में कोई भी वस्तु बिना उपयोग की नहीं है, बिना अच्छाइयों की नहीं है, दुर्भाग्य है वस्तु को बुरा बताकर उसकी अच्छाइयों से भी वंचित हो रहे हैं। दूसरों को भी भ्रमित और गुमराह कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि नजरिया बदलेंगे नजारे बदल जाएंगे, कश्ती बदलेगी तो किनारे बदल जाएंगे। दृष्टि दोष रहा तो परमात्मा भी बुरे नजर आएंगे और दृष्टि निर्मल बनी तो पापी भी परमात्मा नजर आएंगे। पीलिया ग्रस्त रोगी को सफेद वस्तु भी पीली नजर आएगी वस्तु का दोष नहीं दृष्टि का दोष है। अखिल भारतीय जैन दिवाकर विचार मंच नई दिल्ली शाखा मध्य प्रदेश राजस्थान पश्चिम बंगाल कोलकाता का प्रतिनिधि मंडल मार्गदर्शन के लिए सेवा में उपस्थित हुआ चातुर्मास समिति के चेयमेरन सुरेश लुणावत अध्यक्ष प्रकाश खिवेसरा की अध्यक्षता में तमिलनाडु जैन कॉन्फ्रेंस महिला शाखा की अध्यक्षता संगीता जैन ने वीरांगना सम्मान समारोह चातुर्मास में लेने का निर्णय लिया। जितेंद्र भंडारी, सज्जन राज सुराणा ने स्वागत किया।

गुरु हमें जीवन जीने की सही कला सिखाते हैं : संतश्री वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में डॉ वरुणमुनिजी ने कहा कि व्यक्ति के लिए अपने जीवन में सद्गुरु का सत्संग, समागम कल्याणकारी, हितकारी, मंगलकारी और हमारे असंतुलित जीवन को सही दिशा बोध प्रदान करने वाला होता है। सद्गुरु का समागम मिलना बड़ा कठिन है।

उन्होंने कहा कि गुरु हमें जीवन जीने की सही कला सिखाते हैं।मुनिश्री ने राष्ट्रसंतश्री पदमचन्द्र जी व श्री मोतीलाल जी के उपकारों को याद करते हुए कहा कि महापुरुषों का जीवन हम सबके लिए एक प्रकाश स्तंभ के समान जीवन को सही दिशा प्रदान करने वाला और प्रेरणादायी होता है। गुरु हमारे जीवन निर्माता हैं।बिना गुरु के जीवन शुरू नहीं होता है। गुरु हमारे अज्ञान रूपी अंधकार को हटाकर सदज्ञान के प्रकाश से हमारे जीवन को आलोकित कर देते है। आप जीवन में संत नहीं तो शान्त जरूर बनें। गुरु का आदर सम्मान करना चाहिए। करो सेवा-पाओ मेवा, यानी कि गुरु की सेवा, समर्पण भाव के साथ करनी चाहिए तो गुरु कृपा आशीर्वाद से आपका मानव जीवन गुरु के मार्गदर्शन से सही लक्ष्य को प्राप्त करते हुए सुखी, समृद्ध शान्त, खुशहाल बन जाता है। व्यक्ति को गुरु वचनों पर सच्ची श्रद्धा रखते हुए उनके जीवन से धीरता, गंभीरता, दया, करुणा, क्षमा एवं त्याग भावना का सद्गुण अपने जीवन में धारण करने का प्रयास करना चाहिए। आपका जीवन भी सुखी समृद्ध खुशहाल बन जाएगा। प्रारंभ में संतश्री रूपेश मुनि जी ने भजन के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। उपप्रवर्तक श्री पंकज मुनि जी ने मंगल पाठ प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन राजेश मेहता ने किया।

भूल जाओ कड़वे बोल, मीठो बोलो रे : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा. ने बुधवार को प्रवचन देते हुए जिनवाणी की महिमा का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि जिनेंद्र वाणी ही वह मार्ग है जिसके सहारे भव्यों का जीवन अपनी मंजिल तक पहुँचता है। यदि जिनवाणी की सेवा करने का अवसर मिले, तो उसे अवश्य अपनाना चाहिए। उन्होंने आत्ममंथन करने की प्रेरणा देते हुए कहा, जिस जिनवाणी के कारण हम धर्म से जुड़े, उसके लिए हमने क्या किया, ये स्वयं से पूछना चाहिए। एक उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि पिता कमाकर लाते हैं, और वही बच्चा जब उस पर राज करता है, तो उसे पैसे की कीमत समझ में नहीं आती। वैसे ही मनुष्य जीवन तो मिल गया, पर जिनवाणी की कीमत करना भूल गए हैं। जिनवाणी की सेवा से बड़ा कुछ नहीं है। प्रवचन में उन्होंने परदेशी की कहानी का उल्लेख करते हुए बताया कि कैसे श्रमण संघ में 14 पूर्व ज्ञात होते थे और श्रुतवचन बोले जाते थे, जिनका उपयोग बना रहना चाहिए। उन्होंने मधुर वाणी की महत्ता पर ज़ोर देते हुए कहा कि चाय में शक्कर कम चलेगी, पर बोली में मिठास ज़रूरी है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि जिन्हें शुगर है, वे मीठे शब्द बोलकर अपनी शुगर कम कर लें। मेहमान आएं तो पहले मीठे बोल से स्वागत करें, मिठाई बाद में भी चलेगी। डॉ. मुनिजी ने बोली की सफाई पर बल देते हुए कहा कि हम अपना घर, गाड़ी, कपड़े, कमरा सब साफ-सुथरा चाहते हैं, लेकिन बोली को साफ रखना भूल जाते हैं। जैसे गंदा पानी मच्छर को जन्म देता है, वैसे ही गंदे बोल हमारे मन और सामने वाले के मन को दुखी कर देते हैं। शब्दों को अणु बम मत बनाइए, ये दूसरों के घर तोड़ने का काम करते हैं। उन्होंने समझाया कि हीरे की तो कीमत हो सकती है, पर शब्द अनमोल होते हैं। उन्होंने कहा, भूल जाओ कड़वे बोल, मीठो बोलो रे। ज़ुबान को लंबी मत रखो। ज्ञानीजन कहते हैं कि ज़ुबान छोटी और कान बड़े रखोगे तो कलह कम होगा और मिठास बनी रहेगी।

कर्म बंधन के मूल दो कारण हैं राग और द्वेष : साध्वी आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विल्सन गार्डन के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी आगमश्रीजी ने कहा कि मोक्षमार्ग की ओर बढ़ने के लिए सबसे पहली आवश्यकता सम्यक दृष्टि की होती है। जब दृष्टिकोण शुद्ध और सात्विक होता है, तभी साधना और संयम सार्थक परिणाम देते हैं। गणधर गौतमस्वामी और केशी श्रमण के ऐतिहासिक संवाद का वर्णन करते हुए साध्वीश्री ने कहा कि कर्म बंधन के मूल कारण राग और द्वेष हैं। यही मुक्ति की राह में सबसे बड़ी बाधा हैं। इनके अतिरिक्त क्रोध, मान, माया और लोभ भी आत्मा की उन्नति में रुकावट उत्पन्न करते हैं। मनुष्य को सभी परिस्थितियों में समभाव में रहना चाहिए। केवल अपने लिए नहीं, बल्कि परहित के लिए भी चिंतनशील रहना चाहिए।

साध्वी धैर्याश्रीजी ने राजा गोपीचंद और उनकी माताश्री मैनादेवी के संवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि मैनादेवी ने अपने पुत्र को भोग-विलास से हटाकर आत्मकल्याण की ओर प्रेरित किया।

यह उदाहरण दर्शाता है कि सच्चा मार्गदर्शन व्यक्ति को मोक्षमार्ग की ओर अग्रसर करता है। संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने सभी का स्वागत किया। अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने आभार व्यक्त किया।

मंत्री सज्जन बोहरा ने संघ के आगामी कार्यक्रमों के बारे में बताया। प्रचार प्रसार मंत्री प्रकाशचंद बाफना ने रविवार को 'पानी को अमृत कैसे बनाएं?' विषय पर विशेष प्रवचन की जानकारी दी।

बिना मेहनत ते सब कुछ हासिल करने का प्रयास ठीक नहीं : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ सकल जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि सब कुछ कर्म के हाथ में है और कर्म मनुष्य ही करता है। जैसा कर्म करेगा वैसा ही उसे वापस फल मिलेगा। भाग्य हम तय करते हैं। अगर हमने शुभ कार्य किया है तो उसका फल भी शुभ होगा।

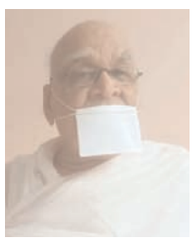

अशुभ कार्य करने वालों को अशुभ फल ही मिलता है। अपने अच्छे व बुरे समय का निर्णय हम स्वयं करते हैं।इसलिए अच्छा फल चाहिए तो पहले अच्छा कर्म करें। उन्होंने कहा कि मनुष्य को हमेशा सक्रिय रहना चाहिए। सक्रिय मनुष्य हर काम करने में सक्षम होता है। वर्तमान में लोग आलस बहुत करते हैं।उसी वजह से उन्हें तरह-तरह की बीमारियां होती हैं। आलस्य से मनुष्य को कोई लाभ नहीं होता बल्कि हानि ही होती है। जीवन में आगे जाना है तो काम में चोरी नहीं करनी चाहिए। कोई भी काम हो उसे तुरंत करने का प्रयास करना चाहिए। याद रहे कि हम अगर भगवान को याद करेंगे और पूजा करेंगे तो वे हमसे खुश रहेंगे। गुरु भी मेहनत करने वालों से खुश रहते हैं। लेकिन आज के समय में लोग मेहनत करने से पीछे भाग रहे हैं। बिना मेहनत के सब कुछ मिलने की उम्मीद में बैठे रहते हैं। हाथ पैर नहीं चलाएंगे तो हम बीमार पड़ जाएंगे।

गुरुदेव ने कहा कि मनुष्य को जैसा समय मिले उसमें समायोजन कर लेना चाहिए। हर स्थिति को समझने वाला मनुष्य कभी परेशान नहीं होता हैं। वर्तमान में लोगों को हर चीज तुरंत चाहिए होता है। लेकिन याद रहे कि जीवन में धैर्यवान मनुष्य को कभी परेशानी नहीं आती है।

धैर्य रखने वाले को समय के हिसाब से सब कुछ मिलता है। जैसे फकीर होते हैं वैसे ही लोगों को भी बनना चाहिए। फकीर हर परिस्थिति में शांत रहते हैं। सरल व्यक्ति सभी के लिए प्रिय होता है। प्रिय होने के लिए सरल बनने का प्रयास करें।

गुरुदेव ने कहा कि दुख और सुख की सारी माया कर्म ही है। जैसा कर्म रहेगा वैसा ही फल मिलने वाला है। किसी के पास सब कुछ है तो किसी के पास कुछ भी नहीं। यह सब कर्मों का ही खेल है, इसलिए ऐसा कोई भी कर्म न करें जिससे कर्मों का बंध हो। संघ के संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने सभी का स्वागत किया एवं महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया ।

आत्मा का स्वभाव मुक्त होना ही है : साध्वीश्री इन्दुप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित अपने प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि नरक तिर्यंच मनुष्य और देव गति मुक्ति पथ गामी जीव के लिए कैद के समान है। कैद किसी भी जीव को पसंद नहीं होती है। आत्मा का स्वभाव भी मुक्त होना ही है। इस संसार में सुख का थोड़ा आभास हो सकता है।

रक्तदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यहां ऊटी के वाईडब्ल्यूसीए अन्नादगिरि में बीजेएस ऊटी द्वारा 27 जुलाई को मिशन महादान 5.0 में उत्साह और एकजुटता के साथ रक्तदान किया गया। जिसमें 65 लोगों ने पंजीकरण किया और 51 यूनिट रक्त का संचय हुआ।

प्रत्येक व्यक्ति को मर्यादित जीवन जीने का लक्ष्य रखना चाहिए : वीरेंद्रमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां बुधवार को सैदापेट बाजार रोड स्थित श्री एस एस जैन स्थानक में विराजित श्री वीरेन्द्र मुनिजी म. सा. ने 12 व्रतों में से छठे व्रत के बारे में बताने से पहले पांचवें व्रत के विषय में कहा, जीवन में मर्यादा का बहुत महत्व है हर काम हो या चीज या वस्तु हो सब एक मर्यादा में होनी चाहिए। ऐसे लक्ष्य और भावना से जीवन व्यतीत करना चाहिए। छठे व्रत (दिशाव्रत) के

विषय में कहा कि ऊंची, नीची, तिरछी दिशा का भी आगार अतिचार का पालन करना चाहिए। जैसे अगर कोई विमान उड़ रहा हैं तो उसकी ऊंचाई एक तय सीमा तक होती हैं।

उसी तरह पनडुब्बी पानी के नीचे एक तय सीमा में तैरता है, एवं तिरछी दिशा मतलब देश विदेश जाना एक जगह से दूसरी जगह या अंतरिक्ष की यात्रा इन सब का मर्यादा में रहकर व्रत का पालन करना चाहिए। कोई कारण वश हमें इन व्रतों के मर्यादा उपरांत काम किया हो तो मिच्छामि दुक्कडम कहकर प्रायश्चित करना चाहिए। भविष्य में ऐसी गलती नहीं करेंगे ऐसा भाव लाना चाहिए क्योंकि मिच्छामि दुक्कडम का सही अर्थ ही यही है। मंत्री राजेंद्र लुंकड़ ने संचालन करते हुए अन्य कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण दिया।

विचार शुभ होने से वाणी एवं आत्मा शुद्ध बनती है : साध्वी डॉ. प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां श्री कोयम्बटूर स्थनकवासी जैन संघ के तत्वावधान में चार्तुमासार्थ विराजित गुरुवर्या डॉ प्रतिभा श्री म.सा. ने बुधवार को कहा कि पशु भी, मानव भी, हर प्राणी इस संसार में जीवन जीता है। हर व्यक्ति हँसकर रोकर भी जीवन जीता है। हर परिस्थिति समभाव रखकर जीवन जीवन जीना चाहिए। हमारी ऊँची सोच होनी चाहिए। जैसे खावें आहार, वैसे होवे मन, जैसे पीवे पानी वैसे बोले वाणी। प्रभु परमात्मा ने तीन शब्द बतायें, धीर, वीर और गंभीर। धीर अर्थात

धैर्य रखना। एक किसान जब बीजारोपण करता है तब वह भी धैर्य रखता हैं तब तक जब तक बीज पुष्प, पल्लवित पुष्पित, फलवित होते है। उसी प्रकार हमारे जीवन में भी धैर्य रखना चाहिए। धीरज धारण करना- सम्यक्दृष्टि जीव भवी जीव हमेशा समभाव में रहता है। हर परिस्थिति में मुस्कुराना चाहिए। वीरों के वीर महावीर कहलाये हैं। अपने अच्छे विचार, ऊँची सोच रखें तब जीवन को बनाया उनसे सहन करना सीखे। वहीं तीसरा शब्द के अनुसार श्रावक को सागर के समान गंभीर होना चाहिए। सागर कितना गंभीर, विराट विशाल होता है। यह तीन सूत्र अपने जीवन में अपनाकर जीवन को सार्थक बनाये।

साध्वीश्री अनुज्ञाश्रीजी ने कहा कि धैर्य और शालीनता से भरा होना चाहिए। धर्म सभा में बेंगलूरु से अशोक रांका एवं सुरजमल लुंकड आदि अनेक श्रावक श्रविका पधारे एवं लाभ लिया। सभी का स्वागत संघ के अद्यक्ष राजेश बोहरा ने किया। संचालन संघ के सचिव सुनील हिंगड़ ने किया

तीर्थंकर राह दिखाते हैं, खुद को चलकर लक्ष्य पर पहुंचना होगा : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

प्रभु नेमिनाथ का दीक्षा कल्याणक पर्व मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जैनधर्म के 22वें तीर्थंकर यदुवंशी भगवान नेमिनाथ का दीक्षा कल्याणक पर्व बुधवार को हर्षोउल्लास से मनाया गया। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी के सान्निध्य में मंत्रों और मुद्रा विधानों से नेमिनाथ का सामूहिक पूजन किया गया। संयम के उपकरणों और संयमियों की अभिवंदना की गई। तीन दिवसीय कल्याणक पर्व की भव्य संयोजना में सैकड़ों परिवार सम्मिलित हुए। इस अवसर पर जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में सभा में आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि नेमिनाथ त्याग-वैराग्य और जीवदया के अप्रतिम प्रतिमान हैं। वासुदेव श्रीकृष्ण, उनके पुत्र, पांचों पांडव भ्राता, नारद, राजकन्या राजीमती, जरासंघ आदि महाभारतकालीन ऐतिहासिक व्यक्तित्वों के साथ उनके प्रसंग बहुत प्रेरणादायी हैं।योगमार्ग ही तीर्थंकरों के जीवन का शुद्ध ध्येय होता है। वे सत्वशाली पवित्र आत्माएं संसार को भोग और संबंधों की नश्वरता का भान कराती हैं। उनके पीछे ज्ञान और योगमार्ग पर चलते हुई हजारों-लाखों आत्माएं जीवन का कल्याण करती हैं। जैनाचार्य ने कहा कि देर-सबेर योगमार्ग का अनुसंधान ही मनुष्य जीवन का महत्वपूर्ण उद्देश्य बनना चाहिए। दुनिया के शेष सारे विकल्प दुःख, अशांति और असंतोष के मार्ग हैं। मनुष्य का विवेक ज्ञान के परिपेक्ष्य में सत्य का अनुसंधान करता है। तीर्थंकर राह दिखाते हैं, लेकिन साधना पथ पर चलकर मंजिल तक स्वयं को पहुंचना होता है। दूसरों के भरोसे या सहारे संसार सागर पार नहीं किया जा सकता। जीवन में मोह, माया, ममत्व, राग-द्वेष आदि दोष जब क्षीण बनते हैं तब वैराग्य भावों का विकास होता है। वैराग्यभाव संसार को देखने का जीवन का सर्वथा भिन्न दृष्टिकोण है। सामान्य बुद्धि से इसे समझा नहीं जा सकता। चमड़े की आंखों से संसार को देखना और वैराग्य से ओतप्रोत बनकर ज्ञानचक्षु से दुनिया को देखना, दोनों अलग दिशाएं हैं। आज तक का मानवजाति का इतिहास साक्षी है कि भोग से परितृप्ति किसी को नहीं मिली और जो जिसने योगमार्ग का अनुसंधान किया, वह कभी अतृप्त न रहा। गणि पद्मविमलसागरजी ने कल्याणक पर्व की रोचक संयोजना की। दो अगस्त, शनिवार को पार्श्वनाथ निर्वाण कल्याणक पर्व के साथ तीन दिवसीय महोत्सव का समापन होगा। संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि इस वर्ष विमल वर्षावास का शुभसंयोग पाकर अनेक लोग छोटी-बड़ी तप साधनाओं में जुड़ रहे हैं।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.